नई दिल्ली ■ शुक्रवार 08 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 40 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस | 07 दिल्ली के बल्लेबाजों के सामने वरूण और नारायण की चुनौती | ऑरलैंडो ब्लूम संग स्क्रीन शेयर करेंगी प्रियंका चोपड़ा 08

भाजपा नीत बिहार सरकार के मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार

निशांत कुमार समेत 32 नेताओं ने ली शपथ

पटना। बिहार में बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली पहली सरकार का बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार हुआ और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार तथा 31 अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पांच दलों वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी 32 नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा तथा बिहार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित थे। सभी की निगाहें निशांत कुमार (45) पर टिकी थीं, जिन्होंने करीब दो महीने पहले नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा सदस्य बनने की घोषणा के बाद सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया था। पिछले महीने भाजपा नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के समय उपमुख्यमंत्री पद का प्रस्ताव ठुकराने वाले निशांत ने अंततः पार्टी नेताओं के आग्रह को स्वीकार कर लिया।

पार्टी नेताओं को आशंका थी कि नीतीश के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद जदयू की राजनीतिक संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। शपथ लेने से पहले सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहने वाले निशांत कुमार ने अपने पिता के साथ-साथ शाह और मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और अब उसके मंत्रियों की संख्या 15 हो गई है।

मंत्रिमंडल में शामिल अधिकांश नेता वे हैं जो पिछले वर्ष नवंबर में राजग की सत्ता में वापसी के बाद बनी नीतीश कुमार सरकार में मंत्री रह चुके थे। झंझारपुर के विधायक नीतीश मिश्रा की भी मंत्रिमंडल में वापसी हुई है। उद्योग राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने प्रभाव छोड़ा था, लेकिन पिछले वर्ष नवंबर में नीतीश कुमार के फिर मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया था। उनके पिता दिवंगत जगन्नाथ मिश्रा बिहार के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके थे। हालांकि, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मंगल पांडेय को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलना चर्चा का विषय रहा। वह पिछले कई वर्ष से स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे थे।

पांडेय फिलहाल पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रभारी हैं और अटकलें हैं कि राज्य में पार्टी की हालिया सफलता के बाद उन्हें अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा ने बिहार की राजनीति में मंडल प्रभाव को देखते हुए 'सिर्फ सवर्णों की पार्टी' की छवि तोड़ने का प्रयास भी किया है। पार्टी ने अपने पहले मुख्यमंत्री के रूप में पिछड़ा वर्ग के नेता को चुना है और मंत्रिमंडल में केवल छह सवर्ण नेताओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के साथ दो दलित नेताओं-लखेंद्र पासवान और नंद किशोर राम-को भी शामिल किया गया है। जदयू के कुल 15 मंत्री हैं, जिनमें से 13 ने बृहस्पतिवार को गांधी मैदान में शपथ ली। विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव अप्रैल में सम्राट चौधरी के साथ शपथ ले चुके थे और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया था।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए जदयू ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रह चुके जमा खान को फिर मंत्रिमंडल में शामिल किया है। संविधान के अनुसार मंत्रिपरिषद का आकार विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा के हिसाब से मंत्रिमंडल में अधिकतम 36 सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में मंत्रिमंडल में 35 सदस्य हैं, जो अधिकतम सीमा से एक कम है। जदयू से श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, सुनील कुमार और लेशी सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं के अलावा शिवहर से पहली बार विधायक बनीं श्वेता गुप्ता को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली है। श्रवण कुमार और निशांत कुमार दोनों कुर्मी समुदाय से हैं, जिसे जदयू का सबसे मजबूत समर्थन आधार माना जाता है। लेशी सिंह को छोड़कर जदयू के सभी मंत्री ओबीसी, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और दलित समुदायों से हैं। लेशी सिंह राजपूत समुदाय से हैं।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से संजय कुमार सिंह और संजय कुमार पासवान फिर मंत्री बने हैं। इसी तरह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष कुमार सुमन तथा उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें भाजपा की ओर से पुरस्कार विजेता निशानेबाज से नेता बनीं श्रेयसी सिंह और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद शामिल हैं। अन्य महिला मंत्री-लेशी सिंह, श्वेता गुप्ता और पूर्व मंत्री शीला मंडल-जदयू से हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को छोड़कर राजग के सभी घटक दलों से एक या अधिक दलित मंत्री बने हैं। मंत्रिमंडल में कुल सात दलित मंत्री हैं, जिनमें सबसे अधिक तीन-अशोक चौधरी, रत्नेश सदा और सुनील कुमार-जदयू से हैं।

संक्षिप्त खबरें

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान, टिकट की बुकिंग शुरू

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून को पहली फ्लाइट बेंगलुरु के लिए जाएगी। यह फ्लाइट लखनऊ से नोएडा हवाई अड्डे होकर बेंगलुरु जाएगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। पहली फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होगी। अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने की तिथि अभी घोषित नहीं की है। नोएडा हवाई अड्डे को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम अप्रूवल मिलने के बाद इंडिगो ने 15 जून से विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। गुरुवार शाम को हवाई अड्डे से पहली फ्लाइट का शेड्यूल भी घोषित कर दिया गया। इंडिगो की फ्लाइट लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट आएगी और यहां से बेंगलुरु जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यह फ्लाइट सुबह आठ बजे के करीब यहां पहुंचेगी और कुछ देर नोएडा एयरपोर्ट पर रुकने के बाद बेंगलुरु के लिए रवाना हो जाएगी। देश के अन्य शहरों के लिए फ्लाइट शेड्यूल भी देर रात तक सामने आ जाएगा। दिल्ली एनसीआर के यात्रियों के लिए देश के प्रमुख शहरों जैसे नवी मुंबई, कश्मीर, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, जयपुर, बंगलुरु, अहमदाबाद, गोवा के लिए उड़ाने शुरू करने की तैयारी है।

मणिपुरः उग्रवादी संगठनों के अनेक कैडर गिरफ्तार, हथियार व विस्फोटक बरामद

इम्फाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा बीते 24 घंटे में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के कई कैडरों को गिरफ्तार किया। गुरुवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी, हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान भी बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग थाना क्षेत्र स्थित लामलोंगेई आवांग लेकाई निवासी केसीपी (पीएससी- पोलित ब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी) के कैडर हाओबाम जॉनसन मैतेई (25) उर्फ सनाथोई उर्फ सागेई को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी संगठन की एक महिला कैडर सलाम ओंगबी कोंजेंगबाम करुणा देवी (51) उर्फ पिपिक को भी इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद मेइनो लेइराक स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया।

यूपी में समाप्त हुई स्मार्ट प्री-पेड मीटर व्यवस्था : ए.के. शर्मा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आम विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में संचालित स्मार्ट प्री-पेड मीटर व्यवस्था को समाप्त कर सभी स्मार्ट मीटरों को पोस्टपेड मोड में संचालित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में औपचारिक आदेश भी जारी कर दिए गए हैं तथा आरडीएसएस योजना के अंतर्गत स्थापित सभी स्मार्ट मीटरों को तत्काल प्रभाव से पोस्टपेड मोड में परिवर्तित किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि प्रदेश के पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगमों तथा केस्को कानपुर में लागू यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करेगी।

चंद्रनाथ हत्याकांडः इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन आसनसोल का निकला

आसनसोल। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या में नया खुलासा हुआ है। चंद्रनाथ की हत्या में उपयोग की गई बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान जिले के बर्नपुर इलाके का निकला है।

जांच में सामने आया कि बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर WB44D1990 है। उपलब्ध रजिस्ट्रेशन विवरण के अनुसार बाइक के मालिक का नाम विभाष कुमार भट्टाचार्य बताया गया है। बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान आरटीओ में 4 मई, 2012 को हुआ था और इसकी वैधता 2 मई, 2027 तक है। रजिस्ट्रेशन में दर्ज पता - क्वार्टर नंबर AB 7/12, गुरुद्वारा रोड, बर्नपुर, थाना/लैंडमार्क हीरापुर, बर्नपुर, पश्चिम बंगाल दिया गया है। गुरुवार को जब इस पते की जांच की गई तो पता चला कि वहां विभाष कुमार भट्टाचार्य नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता। वर्तमान में उस क्वार्टर में बर्नपुर इस्को कारखाने के कर्मचारी धरमवीर कुमार अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। धरमवीर कुमार ने बताया कि वे वर्ष 2014 से वहां रह रहे हैं और विभाष नाम के किसी

व्यक्ति को नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि जिस बाइक का नंबर सामने आया है, वह वहां मौजूद नहीं है। उनके पास जो बाइक है उसका रजिस्ट्रेशन नंबर अलग है।

इस खुलासे के बाद गुरुद्वारा रोड स्थित एबी टाइप क्वार्टर के निवासी भी हैरान हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि हत्या में इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर फर्जी हो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का निर्णायक प्रमाण है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का निर्णायक प्रमाण है और 'भारत' को धमकी देने वालों का मजबूती से जवाब देने के लिए देश सतर्क, एकजुट और पूरी तरह तैयार है।

मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस मिशन की असाधारण सफलता हमारी सशस्त्र सेनाओं के अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। पहलगाम में हुए बर्बर हमले का सटीक और करारा जवाब दिया गया। उन्होंने इस सैन्य कार्रवाई के एक वर्ष पूरे होने पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद और हमारी संप्रभुता तथा नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली सभी ताकतों के खिलाफ भारत के अडिग संकल्प का एक निर्णायक प्रमाण है। राष्ट्रपति ने कहा कि जो लोग भारत को

धमकाने की कोशिश करते हैं, उन्हें यह जान लेना चाहिए कि हमारा देश सतर्क, एकजुट और ताकत के साथ जवाब देने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र हमारे सैनिकों की अदम्य बहादुरी, बलिदान और पेशेवर क्षमता को सलाम करता है। ऑपरेशन सिंदूर सात से 10 मई 2025 के बीच भारतीय रक्षा बलों द्वारा चलाया गया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह अभियान 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया था, जिसमें तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

भारत को आतंकवाद के खिलाफ रक्षा का अधिकारः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का सरकारी नीति के रूप में इस्तेमाल करता है। भारत को आतंकवाद से अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकवादी हमले की सच्चाई को देखा था। भारत ने उसका मुंहतोड़ उत्तर दिया। भारत को आतंकवाद से अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है।

हमीरपुर नाव हादसा : 5 बच्चों समेत छह शव बरामद प्रभावित परिवारों को सांत्वना देने पहुंचे प्रभारी मंत्री

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबपुर मजरा भौली में बुधवार देर शाम यमुना नदी में हुए नाव हादसे में गुरुवार को मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। गुरुवार शाम एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने लापता छठवें बच्चे का शव भी बरामद कर लिया। नाव हादसे का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिए थे।

घटनाक्रम के अनुसार शादी समारोह में शामिल होने आए कुछ लोग शाम को तरबूज खाने के लिए नाव से नदी पार कर रहे थे। इसी दौरान बीच नदी में नाव अचानक असंतुलित होकर पलट गई। नाव में कुल नौ लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और लोग नदी में डूबने लगे। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर, क्षेत्राधिकारी सदर तथा थाना कुरारा पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फ्लड पीएसी तथा स्थानीय गोताखोरों की टीम ने लगातार सर्च अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार हादसे में तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर सीएचसी कुरारा भेजा गया। वहीं सर्च अभियान के दौरान बृजरानी

पत्नी पप्पू निषाद (35), अर्चना पुत्री सर्वेश (14), रानी पुत्री बच्चन (9), आकांक्षा पुत्री रामहित (9), लव्यांश पुत्र पप्पू (5) घाटमपुर कानपुर नगर निवासी गौरे उर्फ आदित्य (12) पुत्र महेश का शव बरामद किया गया।

घटनास्थल का निरीक्षण अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूट धाम परिक्षेत्र बांदा, जिलाधिकारी अभिषेक गोयल तथा पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक ने किया। अधिकारियों ने राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इधर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति तथा क्षेत्रीय विधायक मनोज प्रजापति भी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहायता व मुआवजा दिलाने का भरोसा दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सीओ सदर राजेश कमल ने बताया कि नाव हादसे में आज एक महिला एवं पांच बच्चों के शव सर्च आपरेशन में मिले हैं। पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई कराई जा रही है।

प. बंगाल विधानसभा भंग, अब ममता बनर्जी नहीं रही मुख्यमंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड जीत के बाद राज्य की राजनीति में संवैधानिक संकट जैसे हालात बन गए हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब तक अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। इस बीच राज्यपाल द्वारा विधानसभा भंग और नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू किए जाने की चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमट गई। चुनाव में ममता बनर्जी सहित उनके कई वरिष्ठ मंत्री भी हार गए। चुनाव परिणाम आने के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव 'षड्यंत्र' और 'दबाव' के बीच कराए गए। उन्होंने साफ कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगी और यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें बर्खास्त किया जाए। कालीघाट स्थित आवास पर तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में ममता बनर्जी ने चुनाव परिणाम को 'काला दिन' बताया। उन्होंने पार्टी विधायकों से विरोध स्वरूप काला कपड़ा पहनने की अपील भी की। संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि मुख्यमंत्री

पद पर बने रहने के लिए विधानसभा का विश्वास आवश्यक होता है। ऐसे में बहुमत खोने या चुनाव हारने के बाद राज्यपाल मुख्यमंत्री से इस्तीफा मांग सकते हैं। यदि इस्तीफा नहीं दिया जाता, तो राज्यपाल मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को पद से हटाने की कार्रवाई कर सकते हैं। इधर, नई सरकार के शपथ ग्रहण तक प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी चर्चा चल रही है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि राज्यपाल अंतरिम व्यवस्था के तहत सीमित अवधि के लिए प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

50 वर्षीय व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से गई जान, तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नोएडा। नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र में एक 50 वर्षीय व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना में उनकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना दादरी के प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले जितेंद्र पुत्र बबलू उम्र 31 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि राजकुमार पुत्र पुरन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस मौत के कारण का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। थाना फेस तीन के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि वेदपाल पुत्र पुत्तू लाल उम्र 32 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा में नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक व्यक्ति की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती व्यक्ति की आज संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि मूल रूप से जनपद पलवल हरियाणा के रहने वाले विजय सिंह पुत्र तेज सिंह उम्र 47 वर्ष को थाना क्षेत्र में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया था। उन्होंने बताया कि बीती रात को उनको गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर गुरुवार सुबह मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अगर इस मामले में वे कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला, हत्या की आशंका

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 42 के पास एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहुलुहान शव पुलिस को मिला है। पुलिस को आशंका है कि उसकी मौत सड़क हादसे के चलते हुई है। वहीं कुछ लोग इसे हत्या का मामला मान रहे हैं। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि सेक्टर 42 के पास एक 35 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव पुलिस को बीती रात को पड़ा हुआ मिला है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह व्यक्ति सड़क हादसे का शिकार हो गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। उन्होंने बताया कि आसपास के लोगों और सोशल मीडिया के माध्यम से शव की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। वहीं आसपास मौजूद लोगों का मानना है कि उक्त व्यक्ति की हत्या की गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में इंजीनियर से निवेश के नाम पर 56 लाख ठगे

नोएडा। नोएडा में शेयर मार्केट में निवेश कर मोटी रकम कमाने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने सेक्टर 144 स्थित एक आईटी कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर से 56 लाख 93 हजार रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने गुरुवार को बताया कि सेक्टर 53 में रहने वाले विकास कुमार पुत्र आनंदी पांडे ने बृहस्पतिवार को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 9 फरवरी वर्ष 2026 को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। मैसेज करने वालों ने कहा कि शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने पर उन्हें मोटा मुनाफा होगा। वह उनकी बातों में आ गए तथा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से उनसे जुड़े। पीड़ित के अनुसार आरोपितों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से उन्हें मोटा मुनाफा होने का झांसा देकर उन्हें एक वेबसाइट से जोड़ा। शुरुआत में उन्हें 50 हजार रुपए का फायदा हुआ। ज्यादा फायदा कमाने का लालच देकर आरोपितों ने धीरे-धीरे उनसे अपने खाते में 56 लाख 93 हजार रुपए डलवा लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार जब उसने अपनी रकम निकालनी चाही तो आरोपितों ने उसे ग्रुप से बाहर निकाल दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में हत्या का आरोपित घायल, गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में कूड़ा डालने को लेकर हुए विवाद में 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले एक आरोपित को थाना सूरजपुर पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद घायल हालत में गिरफ्तार किया है। इसके एक अन्य साथी को पुलिस ने बुधवार सुबह को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि साकीपुर गांव में रहने वाले साजन भाटी की कुछ लोगों ने बुधवार तड़के गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में वांछित चल रहे वीर सिंह नामक बदमाश को थाना पुलिस ने बुधवार की देर रात को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। एक गोली उसके पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इस बदमाश की गिरफ्तारी तिलपता गांव के पास से हुई है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसके पास से पुलिस ने देशी तमंचा और कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है। उन्होने बताया कि इस मामले में थाना पुलिस ने मंगेश्वर उर्फ टिल्लू को बुधवार सुबह को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। उसके दोनों पैर में गोली लगी थी। उन्होंने बताया कि जब मंगेश के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई तब वीर सिंह उसकी कार में सवार था। इसने पुलिस पर गोली चलाई थी तथा मौके से भाग गया था।

नोएडाः सेक्टर-22 हत्याकांड का खुलासा

अवैध संबंधों के शक में पति-पत्नी ने हॉकी से पीटकर युवक-युवती को तीसरी मंजिल से फेंका

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा थाना सेक्टर-24 पुलिस ने सोमवार को हुई एक युवक की मौत और युवती के घायल होने के मामले में बड़ा खुलासा किया है। जिसे शुरुआत में आत्महत्या का प्रयास माना जा रहा था, वह वास्तव में एक सोची-समझी हत्या निकली। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति-पत्नी, हितेश राणा (33) और उसकी पत्नी चंचल (27) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच के अनुसार, सेक्टर-22 स्थित एक मकान की तीसरी मंजिल से पुनीत चौहान (26) और उसकी मित्र विद्या दास (20) संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गए थे। इस हादसे में पुनीत की मौत हो गई, जबकि विद्या अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद जब कड़ियां जोड़ीं, तो मामला हत्या का निकला। गिरफ्तार आरोपी हितेश राणा ने पुलिस को बताया कि उसे अपनी पत्नी चंचल और मृतक पुनीत के बीच संबंधों का शक था। इसी विवाद को सुलझाने और माफी मांगने के लिए पुनीत अपनी मित्र विद्या दास के साथ हितेश के घर आया था। लेकिन बातचीत के दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि हितेश और चंचल ने घर में रखी हॉकी स्टिक से उन पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान दोनों को तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई हॉकी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने 'मैनुअल इंटेलिजेंस' और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में विभिन्न सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत, पुलिस कर रही जांच

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई है। घटनाओं की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के बहलौलपुर फ्लाईओवर पर एक 25 वर्षीय युवक बीती रात को सड़क पार कर रहा था, तभी अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया।

इस घटना में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास के लोगों की सहायता से शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के एच ब्लॉक में बीती रात को नीरज कुमार पुत्र रघुवीर सिंह उम्र 47 वर्ष बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक ठेली से टकरा गई।

इस घटना में उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में पवन उर्फ पंकज पुत्र गजराज उम्र 22 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। वह मूल रूप से जनपद बुलंदशहर के रहने वाले थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई।

मीडिया प्रभारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुए एक सड़क हादसे में चलजीत पुत्र गजराज सिंह मूलनिवासी जनपद बुलंदशहर उम्र 32 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए उन्हें कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडाः बाइक पर सवार दो युवकों को ट्रक ने कुचला, एक की मौत

नोएडा। नोएडा में फैक्ट्री से काम करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर बुधवार की देर रात को घर जा रहे दो युवकों को एक ट्रक चालक ने कुचल दिया। इस घटना में एक की मौके पर मौत हो गई। जबकि दूसरा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस -3 के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को शेख आजम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह शाहीन बाग दिल्ली के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार उनका साला प्यारूद्दीन मिर्जा पुत्र बदरुद्दीन मिर्जा निवासी ग्राम छिजारसी सेक्टर 63 व उसका दोस्त अनिल कुमार पुत्र होरीलाल सेक्टर 63 स्थित एक कंपनी से काम करके बुधवार की रात 9 बजे के करीब घर जा रहे थे। जैसे ही ये लोग सेक्टर 67 के पास पहुंचे एक अज्ञात ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार इस घटना में प्यारूद्दिन मिर्जा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनिल गंभीर रूप से घायल है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, 17 मोटरसाइकिलें और 8 मोबाइल फोन बरामद

नोएडा। नोएडा की थाना फेस -1 पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से विभिन्न जगहों से लूटे हुए आठ मोबाइल फोन तथा चोरी की हुई 17 मोटरसाइकिलें बरामद हुई है।

इन बदमाशों के खिलाफ पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस उपायुक्त जोन-प्रथम श्रीमती मनीषा सिंह ने गुरुवार को बताया कि थाना फेस -1 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर सूरज ,अनिल और सुशील नामक तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न जगहों से चोरी की गई 17 मोटरसाइकिल तथा विभिन्न जगहों से लूटे हुए आठ मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में सूरज के खिलाफ पूर्व में 30 तथा अनिल और सुशील के खिलाफ दर्जन- दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने एनसीआर में लूटपाट और चोरी की 100 से ज्यादा वारदातें करनी स्वीकार की है।

नोएडा में एक नाबालिग छात्रा समेत पांच लोगों ने की आत्महत्या, पुलिस कर रही जांच

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाली एक छात्रा समेत पांच लोगों ने आत्महत्या कर लिया है। घटनाओं की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि होशियापुर गांव में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी मीनू पुत्री महेंद्र कुमार ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान किशोरी के परिजनों ने बताया कि उसने नौवी कक्षा पास किया था, तथा दसवीं कक्षा में उसका मनपसंद स्कूल में दाखिला नहीं हो पा रहा था। इस वजह से वह परेशान थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना कासना के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि का थाना क्षेत्र में रहने वाले विमल कुमार पुत्र लक्ष्मण प्रसाद उम्र 32 वर्ष मूल निवासी जनपद अलीगढ़ ने बीती रात को अपने घर पर अज्ञात कारण के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि वह कुछ दिनों से गृह क्लेश के चलते परेशान चल रहा था।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस को सूचना मिली कि श्रीमती नीतू मदान जो की ग्रेटर नोएडा वेस्ट के फ्यूजन होम सोसाइटी में रहती थी उन्होंने 18 वीं मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि नीतू मदान की शादी 6 साल पहले तरुण के साथ हुई थी। वह अपने पति के साथ फ्यूजन होम सोसाइटी के सातवीं मंजिल पर रहती थी। जबकि उनके ससुर 18 वीं मंजिल पर इसी सोसाइटी में अलग रहते थे। महिला ने अपने ससुर के फ्लैट से जाकर नीचे छलांग लगाकर आत्महत्या किया है। उन्होंने बताया कि मृतका के पति और मां से बातचीत कर आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। महिला ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में ग्राम रोजा जलालपुर में रहने वाली कुमारी पिंकी पुत्री मैनपाल उम्र 20 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि झट्टा गांव में रहने वाला श्याम पुत्र रामकिशन उम्र 20 वर्ष ने आज लोहे की गाटर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि वह झट्टा गांव में अपने परिवार के लोगों के साथ रहता था, तथा वह एक निर्माणाधीन कंस्ट्रक्शन साइट में मजदूर के रूप में काम करता था।

दिल्ली के द्वारका में 805.99 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज बनेगा : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज और छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल की स्थापना करने जा रही है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 805.99 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हाल ही में हुई व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई। इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य वर्ष 2028 तक रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस परियोजना के तहत मेडिकल कॉलेज के साथ छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल, फैकल्टी आवास और एक आधुनिक अकादमिक ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना दिल्ली में डॉक्टरों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मेडिकल कॉलेज को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा। इससे यहां प्रति वर्ष 250 एमबीबीएस सीटों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रारंभिक चरण में 150 छात्रों के साथ शिक्षण कार्य शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना को चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में अकादमिक ब्लॉक, छात्रों के हॉस्टल और शिक्षकों के लिए आवास बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहले चरण में करीब 1,17,246 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्माण होगा। इसमें लगभग 34,000 वर्गमीटर का बेसमेंट बनाया जाएगा, जहां पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाएं होंगी। अकादमिक ब्लॉक बहुमंजिला होगा, जिसमें क्लासरूम, लैब और अन्य आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। हॉस्टलों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था होगी, जबकि फैकल्टी के लिए भी आधुनिक और सुविधाजनक आवास तैयार किए जाएंगे। निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) करेगा, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग इसकी निगरानी करेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना की गुणवत्ता और समय सीमा के सख्ती से पालन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद, स्टाफ की नियुक्ति, विश्वविद्यालय से संबद्धता और अन्य व्यवस्थाएं एनएमसी के मानकों के अनुरूप आगामी चरण में पूरी की जाएंगी।

केंद्रीय संचार मंत्री और दिल्ली की सीएम ने नेहरू प्लेस में नवीनीकृत डाकघर का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को नेहरू प्लेस में नवीनीकृत डाकघर का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, विकास और विरासत के साथ अब डाक विभाग आधुनिक तकनीक के साथ लोगों की सेवा करेगा।

उन्होंने कहा कि डाक विभाग का दशकों पुराना भरोसा अब आधुनिक भारत में हर एक तंत्र के साथ जुड़कर काम करेगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि डाक विभाग ने तकनीक के साथ स्वयं को नए दौर के अनुरूप विकसित किया है। यह नया डाकघर नागरिकों को तेज, सरल और आधुनिक सेवाओं का बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। आज डाकघर केवल पत्र सेवा तक सीमित नहीं बल्कि पार्सल, बैंकिंग, बीमा, आधार और पासपोर्ट जैसी अनेक सुविधाओं के माध्यम से जनसेवा का सशक्त केंद्र बन चुके हैं। इस अवसर पर संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, विधायक शिखा राय भी मौजूद रहे।

बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या चिंताजनक : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या पर बृहस्पतिवार को चिंताई जताई और कहा कि पार्टी के एक भी कार्यकर्ता का बलिदान व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि बंगाल में शांति, सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना पार्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 48 घंटे के भीतर हुई चौंकाने वाली घटना के बाद तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आईं और इलाके में तनाव बढ़ गया। गुप्ता ने 'एक्स' पर कहा, "बंगाल में हाल की घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। हमारे वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी जी के सहयोगी की हत्या कानून व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है। राजनीतिक मतभेदों के बीच हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने कहा, "हम विश्वास करते हैं कि दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई होगी तथा पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा। हमारे एक भी कार्यकर्ता का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।" हाल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने बंगाल में प्रचंड जीत हासिल की है और तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया है।

राजस्थान तक चला पीछा, दिल्ली पुलिस ने दबोचे लुटेरे

राजिंदर नगर में महिला से मोबाइल लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में महिलाओं और डिलीवरी बॉय को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले दो शातिर बदमाशों को राजिंदर नगर थाना पुलिस ने हाईटेक जांच और लंबी पीछा कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी को राजस्थान के सीकर जिले से दबोचा, जबकि उसके साथी को दिल्ली के सुभाष नगर से पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, चोरी का सामान और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की गई है।मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि 1 मई को डबल स्टोरी, राजिंदर नगर इलाके में एक महिला से दिनदहाड़े मोबाइल लूट की घटना हुई थी। महिला अपने घर के बाहर बैठी थी, तभी एक युवक ने उससे रास्ता पूछा। इसी दौरान उसका साथी आया और महिला को पकड़कर जबरन उसका रेडमी मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद राजिंदर नगर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में एसआई योगेश पूनिया, हेड कांस्टेबल अमिताभ, कांस्टेबल प्रदीप और विपिन की टीम गठित की गई। पुलिस ने इलाके के कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें दोनों आरोपी स्कूटी पर आते और वारदात को अंजाम देते दिखाई दिए।जांच के दौरान खुलासा हुआ कि यही आरोपी उसी दिन इलाके में एक डिलीवरी बॉय से चोरी की घटना में भी शामिल थे। लगातार तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर एक आरोपी सूरज उर्फ देव की पहचान हुई। पुलिस जब उसके घर पहुंची तो वह फरार मिला। बाद में पता चला कि वह राजस्थान के खाटूश्यामजी, रींगस इलाके में छिपा हुआ है।इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम करीब 350 किलोमीटर दूर राजस्थान पहुंची और लगातार निगरानी के बाद 5 मई को सूरज उर्फ देव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपने साथी शैलेन्द्र उर्फ सिलू उर्फ रवि का नाम बताया, जिसे बाद में सुभाष नगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया रेडमी मोबाइल, स्कूटी, सैमसंग और बोट कंपनी के ईयरबड्स, नॉइज वॉच, फिश ऑयल, मिल्टन लंच बैग समेत कई चोरी का सामान बरामद किया है।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी स्कूटी पर घूमकर सुनसान इलाकों में महिलाओं और डिलीवरी कर्मचारियों को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही अचानक हमला कर सामान लूटकर फरार हो जाते थे।गिरफ्तार आरोपी सूरज पहले हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रह चुका है, जबकि शैलेन्द्र के खिलाफ चोरी और लूट के 9 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली के पालम विलेज पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा, चोरी का सामान बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही उसके पास से कई सामान भी बरामद किए गए हैं, जिसमें गैस सिलेंडर भी शामिल है। पालम विलेज थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। आरोपी की पहचान 27 वर्षीय रजत उर्फ बूढ़ा के रूप में हुई है, जो महावीर एन्क्लेव स्थित नासिरपुर रोड की हरिजन बस्ती का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से एक गैस सिलेंडर, दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड, दो जन्म प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, एक बैग और कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 अप्रैल को पालम विलेज थाने में चोरी का मामला ई-एफआईआर दर्ज किया गया था। मामले की जांच के लिए एएसआई वीरेंद्र, हेड कांस्टेबल हरेंद्र, संदीप और कृष्ण की टीम गठित की गई। टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी अनंत धनराज सिंह कर रहे थे, जबकि निगरानी एसीपी दिल्ली कैंट अनिल कुमार के निर्देशन में की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिरों को सक्रिय किया, तकनीकी निगरानी की मदद ली और कई जगहों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

अवैध बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार, देह व्यापार रैकेट से जुड़ाव का खुलासा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला दिल्ली पुलिस की विदेशी प्रकोष्ठ टीम ने महेंद्र पार्क थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से रह रही एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। महिला के पास से दो स्मार्टफोन बरामद हुए हैं, जिनमें भारत में प्रतिबंधित IMO ऐप इंस्टॉल मिला। साथ ही मोबाइल गैलरी से बांग्लादेशी पहचान पत्र भी बरामद किए गए हैं।नॉर्थ वेस्ट जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की विदेशी प्रकोष्ठ की टीम पिछले कई दिनों से व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निगरानी रख रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध महिलाएं आजादपुर नई सब्जी मंडी इलाके में सक्रिय हैं और देह व्यापार रैकेट से जुड़ी हो सकती हैं।सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार और एसीपी आकाश रावत की निगरानी में एसआई श्यामबीर, एचसी विक्रम, एचसी कपिल कुमार, महिला हेड कांस्टेबल दीपक, महिला हेड कांस्टेबल पूनम और कांस्टेबल निशांत की टीम गठित की गई।5 मई की सुबह पुलिस टीम ने नई सब्जी मंडी इलाके में गुप्त ऑपरेशन चलाया। अंडरकवर पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध महिलाओं से संपर्क कर सौदेबाजी की कोशिश की। महिला द्वारा अवैध गतिविधि के लिए सहमति देने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।पूछताछ में महिला ने पहले खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन उसके जवाब संदिग्ध पाए गए। इसके बाद दस्तावेजों की जांच, डिजिटल फुटप्रिंट और फोटो साक्ष्यों के आधार पर पुष्टि हुई कि वह बांग्लादेश की नागरिक है और अवैध रूप से भारत में रह रही थी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 24 करोड़ से अधिक मूल्य की मारिजुआना जब्त, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकाक से आने वाले यात्रियों से जुड़े तीन अलग-अलग मामलों में 24 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध मारिजुआना जब्त की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, इस मादक पदार्थ का वजन 24 किलोग्राम से अधिक है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए चार मई को बैंकाक से आए एक उज्बेक नागरिक को रोका। यात्री की विस्तृत जांच की गई, जिसके दौरान उसके पास मौजूद ट्रॉली बैग से संदिग्ध मारिजुआना से भरी पॉलीथीन की 12 थैलियां बरामद की गईं। अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए पदार्थ का वजन 18.003 किलोग्राम से अधिक था और इसकी कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये है। एक अन्य मामले में, छह मई को बैंकक से आए एक भारतीय यात्री को रोका गया और उसकी तथा उसके सामान की जांच की गई। अधिकारियों ने यात्री के एक ट्रॉली बैग से हरे रंग के मादक पदार्थ से भरी पॉलीथीन की 11 थैलियां बरामद कीं।

सराय रोहिल्ला में ऑटो लिफ्टर गैंग का भंडाफोड़, 11 चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर जिला पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सराय रोहिल्ला इलाके में सक्रिय ऑटो लिफ्टर गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गैंग के सरगना समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया, जिनमें दो नाबालिग शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से 11 चोरी के दोपहिया वाहन और वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी बरामद की गई है। इस कार्रवाई से दिल्ली के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज 12 वाहन चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक 29 अप्रैल 2026 को सराय रोहिल्ला थाने में एक ई-एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता सत्यम ने बताया था कि उसकी हीरो एक्सट्रीम बाइक घर के बाहर से चोरी हो गई। मामले की जांच के लिए एएसआई पुष्कर, एचसी संदीप, एचसी अमित, एचसी रामबाबू, एचसी सुनील, एचसी सुरेंद्र और एचसी दीपक त्यागी की टीम गठित की गई। टीम ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें दो युवक बाइक चोरी करते दिखाई दिए।जांच के दौरान पुलिस ने एक आरोपी की पहचान शास्त्री नगर निवासी निखिल (25) के रूप में की। लगातार निगरानी और स्थानीय सूचना के आधार पर उसे 2 मई को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर 5 चोरी की मोटरसाइकिलें, 6 चोरी की स्कूटियां और वारदात में इस्तेमाल की गई टीवीएस एनटॉर्क स्कूटी बरामद की गई।पूछताछ में निखिल ने खुलासा किया कि वह पिछले एक साल से वाहन चोरी की वारदातों में शामिल था और उसने दो नाबालिगों को भी इस काम में लगाया हुआ था। वह हर चोरी के बदले नाबालिगों को 1000 से 2000 रुपये देता था।

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में पुलिस-मुठभेड़ के बाद कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

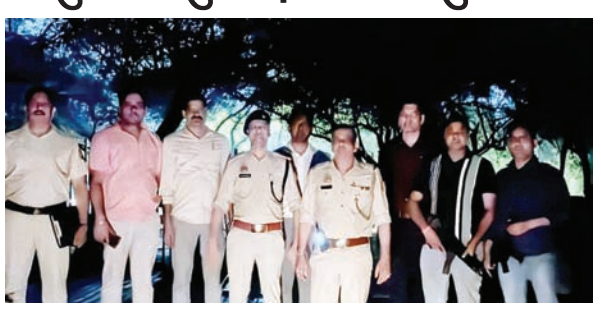

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर इलाके में दिल्ली पुलिस ने देर रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 50 वर्षीय सुनील उर्फ शेट्टी उर्फ देवा के रूप में हुई है, जो थाना गोविंदपुरी का सक्रिय बीसी (बैड कैरेक्टर) है और कई गंभीर मामलों में वांछित चल रहा था।साउथ ईस्ट जिले के डीसीपी डॉक्टर हेमंत तिवारी ने बताया कि 6 मई की रात करीब 10 बजे डीडीए पार्क, काया माया अस्पताल के पास की गई। ऑपरेशन की निगरानी एसीपी बदरपुर आकाश अग्रवाल ने की, जबकि कार्रवाई थाना पुल प्रह्लादपुर की टीम ने अंजाम दी।गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की। खुद को फंसता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जो आरोपी के बाएं पैर में लगी। इसके बाद उसे दबोच लिया गया।पुलिस जांच में सामने आया कि सुनील उर्फ शेट्टी का आपराधिक इतिहास वर्ष 1999 से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और आर्म्स एक्ट समेत 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 7 मामलों में उसे सजा भी हो चुकी है। उसके खिलाफ गोविंदपुरी, कालकाजी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया और तिलक मार्ग सहित कई थानों में केस दर्ज हैं। आरोपी हाल ही में थाना पुल प्रह्लादपुर में दर्ज लूट और गैर इरादतन हत्या के प्रयास के मामले (एफआईआर नंबर 111/26) में भी मुख्य संदिग्ध था।गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्टल, एक खोखा कारतूस और लूटा गया मोबाइल फोन बरामद किया है।

दिल्ली पुलिस का ऑर्गनाइज क्राइम पर बड़ा प्रहार, 48 घंटे में 481 गिरफ्तार

स्पेशल सेल का 'ऑपरेशन-2', 1014 ठिकानों पर रेड; हथियार, ड्रग्स और करोड़ों का नेटवर्क बेनकाब

नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संगठित अपराध के खिलाफ अब तक का बड़ा अभियान चलाते हुए "ऑपरेशन-2" को अंजाम दिया। एडिशनल सीपी पी.एस. कुशवाहा ने बताया कि 48 घंटे तक चले इस मेगा ऑपरेशन में दिल्ली समेत कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर 481 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।स्पेशल सेल एडिशनल सीपी प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि इस ऑपरेशन में 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों और अलग-अलग जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया। दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश में कुल 1014 ठिकानों पर रेड की गई। कार्रवाई के दौरान 130 पिस्टल, 214 कारतूस, 79 चाकू, करीब 19 लाख रुपये नकद, 24 वाहन और लगभग 90 किलो ड्रग्स बरामद की गई। इसके अलावा कई मोबाइल फोन और डिजिटल सबूत भी पुलिस के हाथ लगे हैं। स्पेशल सेल ने कुख्यात शेहजाद भट्टी गैंग के 9 गुर्गों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इनमें से 5 आरोपी कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के लिए तैयार किए गए थे और पुलिस पर हमला करने की साजिश रच रहे थे।जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों में 3 पंजाब के रहने वाले हैं, जिनका काम वारदात को अंजाम देना था, जबकि एक आरोपी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की रेकी कर रहा था। पुलिस का कहना है कि कई युवक सोशल मीडिया के जरिए गैंग के संपर्क में आए थे। गिरफ्तार आरोपियों में गैंग के फाइनेंसर, आर्म्स डीलर और सोशल मीडिया हैंडलर भी शामिल हैं। ऑपरेशन के दौरान हाशिम बाबा गैंग, नासिर गैंग, नीरज बवाना गैंग, काला जठेड़ी गैंग, छेनू गैंग, गोगी गैंग, हर्ष डाला गैंग, सद्दाम गौरी गैंग, कौशल चौधरी गैंग और टिल्लू गैंग समेत करीब 30 गैंग से जुड़े बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है।

उपराज्यपाल ने सौंपे डीडीए के 1,647 नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने गुरुवार को यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के एक समारोह में 1,647 नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसमें 26 पदों पर 1,647 नवनियुक्त कर्मचारियों को पदभार ग्रहण कराया गया। इसके साथ ही प्राधिकरण के कर्मचारियों की संख्या में लगभग 55 फीसद की वृद्धि हुई है।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि ये नए कर्मचारी राष्ट्रीय राजधानी के विकास और भविष्य के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के संरक्षक हैं। यह पहल रोजगार सृजन और शासन प्रणाली को सुदृढ़ करने पर केंद्रित विकसित भारत के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ये युवा कर्मचारी साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में 'अमृत काल' के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उपराज्यपाल ने डीडीए के नए सदस्यों से सहानुभूति, सत्यनिष्ठा और समर्पण के साथ सेवा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता संस्थागत विश्वसनीयता को और मजबूत करेगी और एक आधुनिक और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देगी।

तिहाड़ जेल में हत्या के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 'ज्योति बाबा' गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है, जो तिहाड़ जेल के अंदर हुई एक हत्या के मामले में वांछित था। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी अपनी अंतरिम जमानत की अवधि पूरी होने के बाद फरार हो गया था और अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान नजफगढ़ निवासी राकेश उर्फ टिंकू (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अर्ध स्वचालित ब्रेटा पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पंकज कुमार ने एक बयान में बताया कि पांच मई को अपराध शाखा की टीम को ज्योति बाबा गिरोह के गुर्गे राकेश की गतिविधियों के बारे में पुख्ता जानकारी मिली थी और एक टीम ने जाल बिछाकर उसे धर दबोचा। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे काबू कर लिया। उन्होंने बताया कि पुरानी रंजिश के चलते राकेश उर्फ टिंकू ने अपने साथी सचिन उर्फ छिकारा और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर तिहाड़ जेल के अंदर राम निवास नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस संबंध में हरि नगर थाने में हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

शास्त्री पार्क में हत्या का सनसनीखेज मामला सुलझा, आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए घटनाक्रम की जांच कर आरोपी तक पहुंच बनाई।नॉर्थ ईस्ट जिले के डीसीपी आशीष कुमार मिश्रा ने बताया कि गुरुवार तड़के करीब 1:30 बजे शास्त्री पार्क थाना पुलिस को बुलंद मस्जिद स्थित फिश मार्केट के पास एक व्यक्ति को चाकू मारने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल व्यक्ति की पहचान 50 वर्षीय फकरुद्दीन निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के रूप में हुई है। परिजन उन्हें तत्काल जेपीसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मामले में थाना शास्त्री पार्क में एफआईआर संख्या 135/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए।जांच के दौरान इंस्पेक्टर मनजीत तोमर, एसएचओ शास्त्री पार्क के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी और स्थानीय स्तर पर जांच करते हुए आरोपी मोहसिन (34) निवासी कबीर नगर, बाबरपुर को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसका मृतक फकरुद्दीन के साथ पुराना विवाद चल रहा था, जिसके चलते उसने वारदात को अंजाम दिया।

संपादकीय

खाड़ी देशों ने बढ़ाई अमेरिका की टेंशन

खाड़ी युद्ध के दौरान सऊदी अरब के ताजा निर्णय ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की परेशानी पर बल डाल दिए हैं। सऊदी अरब ने अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए अपने प्रिंस सुल्तान एयरबेस से विमान उड़ाने या सऊदी हवाई क्षेत्र का उपयोग की इजाजत देने से साफ इंकार कर दिया है। उसके इस फैसले में संयुक्त अरब अमीरात, कतर और कुवैत भी शामिल हैं। यह फैसला अमेरिका के लिए बड़ा रणनैतिक झटका माना जा रहा है। इस फैसले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए चल रहे अमेरिकी प्रशासन के 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' के प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है। क्योंकि इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए शुरू किए जाने वाले प्रोजेक्ट फ्रीडम को फिलहाल स्थगित करना पड़ा है। प्रोजेक्ट फ्रीडम के तहत अमेरिकी विमानों को रियाद के दक्षिण-पूर्व स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस के इस्तेमाल की आवश्यकता थी।गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने की जिम्मेदारी लेने की घोषणा के बाद ट्रंप ने इस मुद्दे पर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से भी बातचीत की थी और इस अमल के लिए में सऊदी अरब के एयर बेस के इस्तेमाल से उन्हें अवगत करवाया था। लेकिन दोनों पक्षों के बीच कोई आपसी सहमति नहीं बन पाई। वहीं सऊदी अरब सूत्रों का कहना है कि क्षेत्र में हालात तेजी से बदल रहे हैं और वह अमेरिका और ईरान के बीच कराए जा रहे कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन करते हैं। अचानक बदले घटनाक्रम के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्रंप को कहना पड़ा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिलहाल अस्थायी रूप से रोका जा रहा है, ताकि अमेरिका व ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को अंतिम रूप दिया जा सके। इसके साथ ही यह सवाल भी उठने लगे हैं कि ईरान के साथ जंग के बीच खाड़ी क्षेत्र में मौजूद अमेरिका के दोस्त भी क्या उसका साथ छोड़ने लगे हैं? क्या इसकी वजह पल-पल बदलते ट्रंप के मिजाज से होने वाली परेशानी है? ट्रंप द्वारा प्रोजेक्ट फ्रीडम की अचानक की गई घोषणा से सऊदी अरब और दूसरे खाड़ी देश हैरान रह गए थे। विशेषज्ञों का कहना है कि सऊदी अरब, कतर, कुवैत और यूएई द्वारा अमेरिका का साथ छोड़ने की मुख्य वजह सुरक्षा संबंधी अविश्वास है।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

(विश्व रेडक्रॉस दिवस पर विशेष)

योगेश कुमार गोयल

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है। रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है।

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

भारत में योग का अभ्यास बना सॉफ्ट पावर

- डॉ. सत्यवान सौरभ

योग एक प्राचीन भारतीय अनुशासन से विकसित होकर भारत की 'सॉफ्ट पावर' के एक शक्तिशाली साधन के रूप में उभरा है। यह कथन न केवल योग की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित करता है, बल्कि समकालीन वैश्विक परिदृश्य में सांस्कृतिक कूटनीति की भूमिका को भी उजागर करता है, विशेषकर एक तेजी से विभाजित होती दुनिया में जहां वैश्विक विश्वास और सामाजिक एकजुटता की कमी गंभीर चुनौती बन चुकी है। योग की उत्पत्ति सिंधु घाटी सभ्यता के पुरातात्विक अवशेषों से लेकर उपनिषदों और पतंजलि के योगसूत्र तक जाती है, जहां इसे मन, शरीर और आत्मा के समन्वय का विज्ञान माना गया। प्राचीन काल में योग आध्यात्मिक साधना का माध्यम था, लेकिन आधुनिक युग में यह शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवनशैली का अभिन्न अंग बन गया।

स्वामी विवेकानंद ने 1893 के शिकागो धर्म संसद में योग को पश्चिमी दुनिया के समक्ष प्रस्तुत किया, जिससे इसकी वैश्विक स्वीकार्यता की नींव पड़ी। फिर भी, वास्तविक परिवर्तन तब आया जब 21 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया, जिसके पीछे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्ताव था। इस निर्णय ने योग को मात्र एक व्यायाम न बनाकर सांस्कृतिक राजदूत का रूप प्रदान किया। आज योग 190 से अधिक देशों में मनाया जाता है, जो भारत की सॉफ्ट पावर को प्रमाणित करता है। सॉफ्ट पावर, जो जोसेफ नाई ने परिभाषित की, आकर्षण और प्रभाव के माध्यम से प्रभाव डालने की क्षमता है, न कि बल प्रयोग से। भारत के संदर्भ में योग इसकी परिपूर्ण अभिव्यक्ति है, क्योंकि यह बिना किसी विवाद के वैश्विक स्तर पर अपनाया गया। उदाहरणस्वरूप, संयुक्त राज्य अमेरिका में योग उद्योग 16 बिलियन डॉलर का है, जबकि यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में यह स्वास्थ्य नीतियों का हिस्सा बन चुका है। यह न केवल आर्थिक लाभ प्रदान करता है, बल्कि भारत की छवि को शांतिप्रिय, समावेशी और प्राचीन ज्ञान का भंडार के रूप में स्थापित करता है। सांस्कृतिक कूटनीति सॉफ्ट पावर का मूल आधार है, जो राज्य और समाज के बीच पुल का कार्य करती है। यह कूटनीति पारंपरिक राजनयिक वार्ताओं से परे जाती है और संस्कृति, कला, संगीत, नृत्य तथा जीवन दर्शन के माध्यम से संबंधों को गहरा करती है। एक तेजी से विभाजित दुनिया में, जहां भू-राजनीतिक तनाव जैसे रूस-यूक्रेन संघर्ष, अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध, मध्य पूर्व की अस्थिरता और घरेलू स्तर पर ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, सांस्कृतिक कूटनीति एकमात्र ऐसा माध्यम है जो वैचारिक सीमाओं को पार कर सकता है। वैश्विक विश्वास का संकट आज चरम पर है। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वेक्षण बताते हैं कि बहुसंख्यक देशों में अंतरराष्ट्रीय संस्थानों पर भरोसा घटा है, जबकि सोशल मीडिया जनित फेक न्यूज ने विभाजन को और गहरा किया है। ऐसे में सांस्कृतिक कूटनीति साझा मानवीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करती है। योग इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजनों में विविध संस्कृतियों के लोग एक साथ आसन करते हैं, जो सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रमों से लेकर टाइम्स स्क्वायर की सड़कों तक, योग ने विभाजित समाजों को जोड़ा है। भारत ने इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (ICCR) के माध्यम से योग केंद्र स्थापित किए हैं, जो न केवल प्रशिक्षण देते हैं बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करते हैं। नेपाल, भूटान, श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में योग ने ऐतिहासिक बंधनों को मजबूत किया, जबकि यूरोपीय संघ के देशों में यह तनावग्रस्त जीवनशैली के समाधान के रूप में लोकप्रिय हुआ।

योग की सफलता सांस्कृतिक कूटनीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित है: समावेशिता, सार्वभौमिकता और दीर्घकालिक प्रभाव। समावेशिता इसलिए क्योंकि योग किसी धर्म या जाति से बंधा नहीं; यह हिंदू, मुस्लिम, ईसाई सभी के लिए है। अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकी समुदायों ने योग को सामाजिक न्याय आंदोलन से जोड़ा, जबकि मध्य पूर्व के मुस्लिम देशों में इसे इस्लामी ध्यान प्रक्रियाओं के साथ संयोजित किया गया। सार्वभौमिकता योग के दर्शन में निहित है – 'वसुधैव कुटुंबकम'। यह संदेश कोविड-19 महामारी के दौरान विशेष रूप से प्रासंगिक साबित हुआ, जब भारत ने 'योग फॉर वेलनेस' अभियान चलाकर वैश्विक स्वास्थ्य संकट से जूझते देशों को जोड़ा। ऑनलाइन योग सत्रों ने लाखों लोगों को घरों तक पहुंचाया, जो सांस्कृतिक कूटनीति का डिजिटल रूप था। दीर्घकालिक प्रभाव योग के माध्यम से युवा पीढ़ी पर पड़ता है। विश्वविद्यालयों में योग कोर्सेस, स्कूलों में पाठ्यक्रम और कॉर्पोरेट वेलनेस प्रोग्राम्स ने इसे जीवन का हिस्सा बना दिया। फ्रांस में यूनेस्को की मान्यता प्राप्त योग संस्थान और जर्मनी के योग महोत्सव इसका प्रमाण हैं। ये प्रयास न केवल विश्वास निर्माण करते हैं बल्कि सामाजिक एकजुटता को भी बढ़ाते हैं। विभाजित दुनिया में, जहां आर्थिक राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अलगाव बढ़ रहा है, योग जैसे तत्व सहिष्णुता सिखाते हैं। उदाहरण के लिए, इजरायल-फिलिस्तीन तनाव के बीच तेल अवीव में आयोजित योग सत्रों ने शांति का संदेश दिया। इसी प्रकार, अफ्रीकी देशों में योग ने गरीबी और स्वास्थ्य असमानताओं से निपटने में सहायता की।

भारत की सॉफ्ट पावर रणनीति में योग केंद्रीय है। पिछले दशक में भारत ने सॉफ्ट पावर इंडेक्स में अपनी रैंकिंग सुधारी है, जहां योग, आयुर्वेद और बॉलीवुड प्रमुख घटक हैं। जी-20 शिखर सम्मेलनों में योग सत्रों ने मेजबान देशों को प्रभावित किया।

सिर्फ स्नान नहीं है कुंभ

धर्मकर्म

दुनिया में पानी के बहुत से मेले लगते हैं, लेकिन कुंभ जैसा कोई कोई नहीं। स्वीडन की स्टॉकहोम, ऑस्ट्रेलिया की ब्रिसबेन, अमेरिका की हडसन, कनाडा की ओटावा...जाने कितने ही नदी उत्सव साल-दर-साल आयोजित होते ही हैं, लेकिन कुंभ!.. कुंभ की बात ही कुछ और है। जाति, धर्म, अमीरी, गरीबी.. यहां तक कि राष्ट्र की सरहदें भी कुंभ में कोई मायने नहीं रखती। साधु-संत-समाज-देशी-विदेशी... इस आयोजन में आकर सभी जैसे खो जाते हैं। कुंभ में आकर ऐसा लगता ही नहीं कि हम भिन्न हैं। हालांकि पिछले 60 वर्षों में बहुत कुछ बदला है, बावजूद इसके यह सिलसिला बरस.. दो बरस नहीं, हजारों बरसों से बदस्तूर जारी है। छः बरस में अर्धकुंभ, 12 में कुंभ और 144 बरस में महाकुंभ! ये सभी मुझे आश्चर्यचकित भी करते हैं और मन में जिज्ञासा भी जगाते हैं कि आखिर कुंभ है क्या? नदी में स्नान कर लेने मात्र का एक आस्था पर्व या इसकी पृष्ठभूमि में कोई और प्रयोजन थे? यदि प्रयोजन सिर्फ स्नान मात्र ही हो, तो कल्पवासी यहां महीनों कल्पवास क्यों करते हैं? सिर्फ स्नान के लिए इतना बड़ा आयोजन क्यों? क्या कुंभ हमेशा से ही ऐसा था या समय के साथ इसके स्वरूप में कोई बदलाव आया? अर्धकुंभ, कुंभ और महाकुंभ की नामावली, समयबद्धता तथा अलग-अलग स्थान पर आयोजन के क्या कोई आधार हैं? यह पूरा आयोजन सिर्फ आस्था पर आधारित है या इसके पीछे कोई वैज्ञानिक अथवा सामाजिक कारण भी हैं? करीब छह बरस पहले ये तमाम सवाल जलपुरुष के नाम से विख्यात पानी कार्यकर्ता राजेन्द्र सिंह के मन में उठे थे। उनके साथ मिलकर इन प्रश्नों के उत्तर तलाशते-तलाशते जो सूत्र हमारे हाथों लगे, वे सचमुच अद्भुत हैं और भारतीय ज्ञानतंत्र की गहराई का प्रमाण भी। कुंभ का इतना वैज्ञानिक व तार्किक संदर्भ जान मेरा मन आज भी गर्व से भर उठता है। कुंभ सिर्फ स्नान न होकर कुछ और है। आखिर कोई तो वजह होगी कि लाख-दो लाख नहीं, करोड़ों लोग सदियों से बिन बुलाये चले आ रहे हैं हमारी नदियों का मेहमान बनने? 22 अप्रैल, 2016 से सिंहस्थ कुंभ में शिप्रा फिर मेहमाननवाजी कर रही है। इस मेहमाननवाजी को लेकर महाकाल का उज्जैन आज फिर पेश है, एक नई अदा के साथ। सदियों से चल रहा है यह सिलसिला। क्यों? क्या सिर्फ स्नान के लिए? अब तो हमारी नदियों का जल स्नान योग्य भी नहीं रहा।

आज का इतिहास

- 1886 - अमेरिकी फार्मासिस्ट जान.एस. पैंबरटन ने कोका कोला का विकास किया और उस समय इसे एक टॉनिक बताया गया।
- 1933 - महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन की नीतियों के खिलाफ 21 दिन का उपवास शुरू किया।
- 1945 - मित्र राष्ट्रों की सेनाओं के समक्ष जर्मनी का आत्मसमर्पण।
- 1959 - प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने चीन को भारत के खिलाफ धमकी भरे युद्ध जैसी भाषणों से बाज आने को कहा।
- 1970 - ब्रिटिश रॉक बैंड द बीटल्स के सदस्यों ने औपचारिक रूप से अलग होने के एक महीने बाद अपना आखरी स्टूडियो अलबम 'लैट इट बी' जारी किया।
- 1980 - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेचक उन्मूलन की घोषणा की।
- 1999 - दक्षिणी बांग्लादेश में मेघना नदी में एक खचाखच भरी नौका पलट जाने से 300 लोगों की मौत।
- 1999 - बेलग्राद स्थित चीनी दूतावास पर नाटो द्वारा प्रक्षेपास्त्रों से हमला।
- 2000 - भारतीय मूल के 69 वर्षीय लॉर्ड स्वराजपाल ब्रिटेन के चौथे सबसे बड़े विश्वविद्यालय ब्रिटिश यूनीवर्सिटी के कुलपति नियुक्त।
- 2001 - अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य नियंत्रण बोर्ड से भी बाहर।
- 2002 - पाकिस्तान दौरा रद्द कर न्यूजीलैंड की टीम स्वदेश लौटी।
- 2004 - श्रीलंका के मुरलीधरन ने 521 विकेट लेकर सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने का रिकार्ड बनाया।
- 2006 - संयुक्त राज्य अमेरिका पाकिस्तान को आधुनिकतम पारम्परिक शस्त्र प्रणाली देने पर सहमत।
- 2009 - पाकिस्तान की सेना ने स्वात घाटी में तालिबान के खिलाफ अपने अभियान को तेज किया। तालिबान के जुल्मों से परेशान करीब दो लाख लोगों ने घाटी से पलायन किया।
- 2010 - छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने दंतेबाड़ा में टाड़मेटला हमले के एक माह बाद बीजापुर- भोपालपट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहन को बारूदी सुरंग विस्फोट कर उड़ा दिया। इस घटना में आठ जवान शहीद हो गए। विस्फोट में वहाँ से गुजर रहे दो नागरिक भी घायल हो गए।

पति पर अधिकार जमाकर ससुराल से दूरी कहां तक उचित?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

शादी कोई सत्ता-संघर्ष नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों के बीच भरोसे, सम्मान और जिम्मेदारी का रिश्ता है। लेकिन हमारे समाज में कई बार विवाह को साझेदारी के बजाय नियंत्रण का खेल बना दिया जाता है, जहाँ एक पक्ष अपनी परंपराएँ थोपना चाहता है और दूसरा अपनी स्वतंत्रता बचाने के लिए कठोर रुख अपना लेता है। यही टकराव आगे चलकर झगड़े, दूरी और अविश्वास में बदल जाता है, और फिर लोग पूरे रिश्ते को ही दोष देने लगते हैं। असल समस्या रिश्ते में नहीं, बल्कि रिश्ते को समझने की सोच में होती है।

आज जो वैवाहिक तनाव दिखाई देता है, उसे केवल महिलाओं की सोच कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह अधूरा विश्लेषण होगा। भारतीय परिवारों में लंबे समय तक पुरुष को निर्णयकर्ता और महिला को समर्पित भूमिका में रखा गया। इस ढाँचे में बहू से अपेक्षा की गई कि वह सब कुछ स्वीकार करे, चुप रहे, ढले और परिवार की परंपराओं को बिना सवाल के निभाए। दूसरी ओर, नई पीढ़ी की महिलाएँ शिक्षा, नौकरी, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के कारण इस भूमिका को चुनौती देने लगी हैं। वे अब सिर्फ "बहू" बनकर नहीं रहना चाहतीं, वे व्यक्ति के रूप में सम्मान पाना चाहती हैं।

यही वह बिंदु है जहाँ पीढ़ियों का अंतर साफ दिखाई देता है। पहले विवाह का अर्थ था पति के घर में जाकर उसी व्यवस्था को अपनाना, चाहे वह व्यवस्था न्यायपूर्ण हो या नहीं। आज की स्त्री यह मानती है कि शादी के बाद भी उसका अपना व्यक्तित्व, उसका परिवार, उसके विचार और उसकी सीमाएँ बनी रहनी चाहिए। यह मांग अपने आप में गलत नहीं है। हर इंसान को अपने सम्मान और अपनी पहचान के साथ जीने का अधिकार है। समस्या तब शुरू होती है जब इस अधिकार को अड़ियलपन या विद्रोह समझ लिया जाता है।

दूसरी तरफ, कई पुरुष भी पुराने ढर्रे में फँसे रहते हैं। वे चाहते हैं कि पत्नी उनके परिवार में पूरी तरह घुल जाए, उनकी माता-पिता की हर बात माने, घर की हर परंपरा निभाए और किसी भी स्थिति में सवाल न उठाए। वे यह भूल जाते हैं कि शादी दो व्यक्तियों का मिलन है, न कि एक व्यक्ति का दूसरे पर अधिकार। जब पुरुष यह सोच रखता है कि पत्नी को बस समायोजन करना है, और उसे बदलने का अधिकार सिर्फ उसी के पास है, तब रिश्ते में असंतुलन पैदा होता है। यह असंतुलन धीरे-धीरे शंका, कटुता और दूरी में बदल जाता है।

ससुराल का रिश्ता तब तक मधुर रहता है जब तक उसमें सम्मान हो। सम्मान का अर्थ केवल औपचारिक आदर नहीं, बल्कि भावनात्मक स्वीकार्यता है। बहू से यह उम्मीद करना कि वह अपने माता-पिता, अपने संस्कार, अपने विचार और अपनी प्राथमिकताएँ छोड़ दे, वास्तव में एक प्रकार का भावनात्मक दबाव है। विवाह के बाद नया घर मिलना अलग बात है, लेकिन पुराने रिश्तों को काट देना अलग बात है। एक स्त्री एक ही समय में बेटी भी रह सकती है, पत्नी भी रह सकती है और बहू भी। समस्या तब होती है जब उससे केवल बहू बनकर रहने की माँग की जाती है, और बाकी पहचानों को महत्व नहीं दिया जाता।

इसी तरह यह भी सच है कि कुछ मामलों में पत्नी भी रिश्ते को साझेदारी की बजाय नियंत्रण की लड़ाई बना देती है। वह पति को प्रेम, समझ और संवाद से नहीं, बल्कि दबाव, शिकायत और आरोप के माध्यम से चलाना चाहती है। ऐसा व्यवहार भी रिश्ते को कमजोर करता है। विवाह में यदि एक पक्ष हर बात पर हावी होने की कोशिश करे, तो दूसरा या तो टूटता है या प्रतिरोध में कठोर हो जाता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि गलती केवल पुरुषों की है या केवल महिलाओं की। समस्या उस मानसिकता की है जो विवाह को सहयोग की जगह शक्ति-संतुलन की लड़ाई बना देती है।

असल में, भारतीय समाज में विवाह पर कई परतें एक साथ काम करती हैं। प्रेम, परंपरा, जाति, परिवार, संपत्ति, प्रतिष्ठा और सामाजिक दबाव, सब मिलकर शादी को प्रभावित करते हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह बिना विरोध किए सब कुछ स्वीकार कर ले, अवास्तविक है। समाज बदल रहा है, शिक्षा बढ़ी है, आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ी है, और सूचना के साधन भी बढ़े हैं। अब लोग पुराने निर्णयों को बिना सवाल किए नहीं मानते। यही कारण है कि विवाह के भीतर संवाद की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि संवाद की जगह अक्सर आरोप, शिकायत और भावनात्मक दूरी ले लेती है। कई घरों में समस्या पति-पत्नी के बीच कम और परिवार की हस्तक्षेपकारी भूमिका के कारण अधिक बढ़ती है। सास-ससुर, भाई-बहन, रिश्तेदार और समाज, सब मिलकर दंपति के निजी जीवन में राय देने लगते हैं। हर छोटी बात पर सलाह, तुलना और दखल रिश्ते को खोखला कर देती है। जब पति अपनी पत्नी के पक्ष में खड़ा नहीं होता, तब पत्नी को लगता है कि शादी के बाद उसका अपना कोई सहारा नहीं बचा। और जब पति को लगता है कि पत्नी उसके घर में आई है, इसलिए उसे पूरी तरह झुकना चाहिए, तब वह संवेदनशीलता खो देता है। ऐसे में दोनों ओर से दूरी बढ़ती है।

रिश्ते में प्रेम कम और रणनीति अधिक दिखने लगती है। यह भी समझना होगा कि स्वतंत्रता और स्वच्छंदता एक ही चीज नहीं हैं। किसी स्त्री का अपने सम्मान के लिए बोलना, अपने निर्णय लेना और अपने आत्मसम्मान की रक्षा करना स्वच्छंदता नहीं है। लेकिन यदि वह हर बात में टकराव को ही समाधान समझने लगे, तो रिश्ते में शांति नहीं रह सकती। इसी तरह पुरुष का परिवार के प्रति जिम्मेदार होना जरूरी है, लेकिन जिम्मेदारी के नाम पर पत्नी पर एकतरफा शासन करना न्याय नहीं है। पति-पत्नी के संबंध में मर्यादा, संवेदना और सम्मान का संतुलन होना चाहिए। जब तक यह संतुलन नहीं होगा, तब तक शादी में तनाव बना रहेगा। समाज को यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज की महिला पहले जैसी चुप और सहने वाली नहीं रही। यह बदलाव बुरा नहीं है। यह सामाजिक विकास का संकेत है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

पाकिस्तान में कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं 'ऑपरेशन सिंदूर' अंत नहीं शुरुआत : भारतीय सेना

पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है।

सेना ने दो टूक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है। जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया। पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि 'आत्मनिर्भर भारत' केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण देश में ही निर्मित हो रहे हैं।

राजीव घई ने कहा कि 7 मई, 2025 को शुरू हुए अभियान के दौरान भारतीय सेना ने सात और भारतीय वायु सेना ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था। इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची और 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रेखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी। आतंकवादी कैंपों का स्थान बदलते रहने और उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजीव घई ने प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा "सिर्फ हंगामा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।" उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। राजीव घई ने कहा कि भारत ने अपने स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के बाद संघर्ष को अनावश्यक रूप से लंबा नहीं खींचा। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे युद्धों ने यह दिखाया है कि लंबे संघर्ष किस प्रकार विनाशकारी हो सकते हैं। भारत ने संतुलित लेकिन तीव्र कार्रवाई के माध्यम से पाकिस्तान की जोखिम लेने की क्षमता और इच्छा दोनों को प्रभावित किया। एयर मार्शल अवधेश कुमार ने कहा कि भारत हमेशा "जियो और जीने दो" के सिद्धांत में विश्वास करता है, लेकिन जब शांति की इच्छा को कमजोरी समझा जाए और संयम को निष्क्रियता माना जाए, तब निर्णायक कार्रवाई आवश्यक हो जाती है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट था और इसमें किसी प्रकार की नरमी की गुंजाइश नहीं रखी गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में सक्रिय आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया। भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रूप से बेहद संतुलित, सटीक और प्रभावी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। एयर मार्शल ने कहा कि 7 मई 2025 की तड़के जब पहला लक्ष्य भेदा गया, तब वह भारत की सामूहिक शक्ति और संकल्प का सीधा संदेश था, जो दुश्मन की धरती तक पहुंचा। एयर मार्शल ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान भारत के किसी सैन्य या नागरिक ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं ने सभी हमलों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि इस अभियान में पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए। इनमें एक एयर वार्निंग विमान भी शामिल था, जिसे 300 किलोमीटर से अधिक दूरी से निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के सभी प्रमाण दुनिया के सामने रखे जा चुके हैं। भारतीय सेना की कार्रवाई केवल जवाबी हमला नहीं थी, बल्कि यह राष्ट्रीय आत्मरक्षा का सशक्त उदाहरण थी।

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि 6 और 7 मई की रात भारतीय नौसेना ने भी सेना और वायुसेना के साथ मिलकर आतंकवादी ढांचे पर सटीक हमले किए। उन्होंने कहा कि नौसेना की अग्रिम तैनाती के कारण पाकिस्तान की नौसैनिक और वायु इकाइयों को रक्षात्मक मुद्रा अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। अधिकांश पाकिस्तानी सैन्य संसाधन अपने बंदरगाहों तक सीमित हो गए या तटरेखा के आसपास ही सक्रिय रह पाए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत किसी भी उकसावे का जवाब संतुलित, रणनीतिक और निर्णायक बल प्रयोग से देने में सक्षम है। साथ ही यह भी साबित हुआ कि आतंकवादी ढांचे और उन्हें संरक्षण देने वाली सैन्य संरचनाओं को बेहद कम समय में प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एयर डिफेंस में इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आईएसीसीएस) और आकाशतीर जैसी प्रणालियों को एकीकृत कर हवाई गतिविधियों की समग्र निगरानी सुनिश्चित की गई, जबकि अब एआई आधारित डिफेंस स्ट्रैटजिक कम्युनिकेशन डिवीजन स्थापित कर रियल-टाइम में दुष्प्रचार और फेक सूचना से मुकाबला किया जाएगा।

सामाजिक सद्भाव से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण : डॉ. मोहन भागवत

मैसूर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मत है कि समाज में सद्भाव, परस्पर विश्वास और सेवा की भावना विकसित होने पर ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। कर्नाटक के मैसूर में जेएसएस महाविद्यापीठ द्वारा सुत्तूर मठ परिसर में आयोजित सुवर्ण महोत्सव विशेष व्याख्यानमाला में गुरुवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव राष्ट्र की प्रगति का प्रमुख आधार है। समाज विभाजित होने पर राष्ट्र कमजोर हो जाता है और समाज एकजुट होने पर देश अजेय बन जाता है।

संघ प्रमुख ने उपस्थित विद्वत जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत हजारों वर्षों की संस्कृति, मूल्यों और परंपराओं वाला देश है। भाषा, रीति-रिवाज और परंपराओं में विविधता होने के बावजूद भारतीय समाज को जोड़ने वाली शक्ति उसकी संस्कृति में निहित है। भारत की शक्ति विविधता में एकता है। सभी को साथ लेकर चलने की भावना हमारी परंपरा है। समाज में जाति, वर्ग, क्षेत्र और भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त किया जाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान मिलना चाहिए। सेवा और सहयोग की भावना से समाज मजबूत बनता है। उन्होंने कहा कि परिवार व्यवस्था भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत है। परिवार में संस्कार, मूल्य और जिम्मेदारी की भावना विकसित होने पर बेहतर समाज का निर्माण संभव है। युवाओं को केवल रोजगार के लिए शिक्षा प्राप्त नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के विकास को केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता। समाज में नैतिकता, अनुशासन और भाईचारे की भावना बढ़ने पर ही वास्तविक विकास संभव है। कार्यक्रम में सुत्तूर मठ के श्री शिवरात्रि देशिकेंद्र महास्वामीजी उपस्थित थे। इस अवसर पर सद्गुरु मधुसूदन साई की 'आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति, छात्र, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में गण्यमान्य जन उपस्थित थे।

पंजाब के मुख्यमंत्री पर भाजपा ने लगाया राष्ट्र विरोधी ताकतों के संरक्षण का आरोप

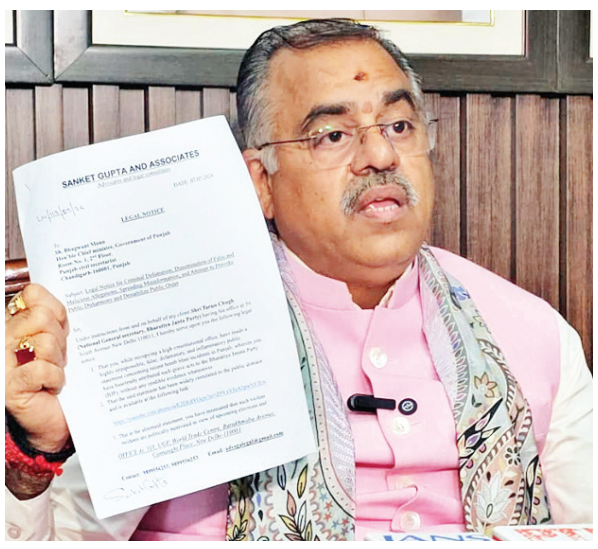

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए उन पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

तरुण चुघ ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पंजाब धमाकों में भगवंत मान ने भाजपा पर आरोप मढ़ कर उन्होंने मुख्यमंत्री पद की गरिमा को तार-तार कर दिया। बिना किसी सबूत के भाजपा पर बम धमाकों का आरोप लगा कर झूठी जानकारी फैलाना आपराधिक श्रेणी में आता है। चुग ने कहा कि भगवंत मान का बयान उनके अपने पुलिस महानिदेशक के बयान के विपरीत है। जहां पंजाब पुलिस आईएसआई और विदेशी नेटवर्क की संलिप्तता की बात कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री राजनीतिक एजेंडा चलाने में व्यस्त हैं। सवाल साफ है- मुख्यमंत्री पंजाब की सुरक्षा कर रहे हैं या राष्ट्रविरोधी ताकतों को राजनीतिक कवर दे रहे हैं? उन्होंने कहा कि भगवंत मान का यह बयान न केवल मानहानिकारक है बल्कि बेहद खतरनाक भी है।

ऐसे गैर-जिम्मेदार आरोप पंजाब में भ्रम, अविश्वास और सामाजिक अशांति पैदा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री को राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि 7 दिनों के भीतर भगवंत मान बयान वापस लेकर सार्वजनिक माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे ओडिशा के मुख्यमंत्री बोले- 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक है यह स्मारक

राजपीपला। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने गुरुवार को विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह स्मारक 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक है। उन्होंने भारत के लौह पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित कर गौरव और धन्यता का अनुभव व्यक्त किया। मुख्यमंत्री मांझी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में स्थित विशाल फोटो प्रदर्शनी गैलरी का अवलोकन भी किया।

उन्होंने कहा कि यहां सरदार पटेल के जीवन प्रसंगों, प्रतिमा के निर्माण कार्य और भारत के एकीकरण के लिए उनके ऐतिहासिक योगदान को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है, यह बहुत सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री मांझी के आरोग्य वन पहुंचने पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के चेयरमैन मुकेश पुरी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने आरोग्य वन में आदिवासी महिलाओं द्वारा तैयार खट्टी भिंडी के शरबत का स्वाद भी लिया। इसके बाद उन्होंने मियावाकी वन, वामन वृक्ष वाटिका, लेजर शो और नर्मदा आरती में भाग लेकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और विभिन्न परियोजनाओं का दौरा करने के बाद मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में निर्मित यह स्मारक पूरे देश के लिए गौरव का प्रतीक बन गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के आह्वान को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जीवंत रूप में साकार करता है। उन्होंने कहा कि के एकता और अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए देशभर के गांवों से लोहे का संग्रह कर इस भव्य स्मारक का निर्माण किया गया है, जो राष्ट्रीय एकता का अद्वितीय प्रतीक है। मुख्यमंत्री बनने के बाद इस पवित्र स्थल की यात्रा उनके लिए गर्व और आनंद का विषय है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 565 रियासतों को एकसूत्र में बांधकर अखंड भारत का निर्माण किया था। प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत के निर्माण के लिए कई दिशाओं में प्रयासरत हैं, जो हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुजरात के सर्वांगीण विकास मॉडल से प्रेरणा लेकर वे अपने राज्य में भी विकास के नए आयाम स्थापित करने का संकल्प लेकर लौट रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल में उद्योग मंत्री संपदचंद्र स्वैन, मुख्य सचिव अनु गर्ग, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव साश्वत मिश्रा, जल संसाधन सचिव शुभा शर्मा, पर्यटन सचिव बलवंत सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के चेयरमैन मुकेश पुरी ने मुख्यमंत्री को सरदार पटेल की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया।

हत्या के वक्त चंद्रनाथ शंकर घोष के साथ फोन पर थे

सिलीगुड़ी। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में सिलीगुड़ी से जुड़ी एक सनसनीखेज और बेहद दर्दनाक घटना ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार रात घटना के समय चंद्रनाथ रथ सरकारी गाड़ी से मध्यग्राम स्थित अपने फ्लैट लौट रहे थे और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष फोन पर उनसे बात कर रहे थे। अचानक गोली की आवाज सुनकर वे सन्न रह गए। बाद में एक अनजान व्यक्ति ने फोन उठाकर बताया– सर को गोली मार दी गई है।

31.61 लाख मूल्य के नकली 'अल्कलाइन वाटर' जब्त

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय ने एक उपभोक्ता शिकायत के आधार पर 'अल्कलाइन वाटर' निर्माता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

इसके तहत एफएसएसएआई ने लगभग 31.61 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई शुरू की। प्रयोगशाला जांच में उत्पाद में फुल्विक एसिड की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जो वर्तमान एफएसएसएआई नियमों के अनुरूप नहीं है। जांच में यह भी पाया गया कि यह तत्व काले खनिज पदार्थ मिलाने से उत्पन्न हुआ था और पानी में स्वाभाविक रूप से मौजूद नहीं था, जो सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है। एफएसएसएआई ने बताया कि यह शिकायत फूड सेफ्टी कनेक्ट पोर्टल के माध्यम से दर्ज की गई थी, जिसमें खाद्य व्यवसाय संचालक (एफबीओ) द्वारा शिकायतों का समाधान न करने की बात सामने आई थी। इसके बाद गुजरात के वडोदरा जिले के सावली स्थित निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान उत्पाद की पैकेजिंग पर सामने की ओर उत्पाद का नाम नहीं पाया गया, सामग्री की घोषणा अनुपस्थित थी तथा तैयार उत्पाद में काले कण दिखाई दिए।

तमिलनाडु सरकार गठन पर राज्यपाल के रुख की कांग्रेस नेता सिंघवी ने की आलोचना

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक हलचल के बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने राज्यपाल के रुख की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक परंपरा और कानून के अनुसार राज्यपाल को सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल, जो संवैधानिक विवेक के संरक्षक होते हैं, उनके पास कोई विकल्प नहीं है सिवाय इसके कि तमिलनाडु की सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुलाया जाए। इसमें किसी तरह का सवाल ही नहीं उठता। कानून, परंपरा, संवैधानिक संस्कृति और पूर्ववृत्त सभी यही कहते हैं और अतीत में भी ऐसा कई बार हो चुका है। उन्होंने कहा कि 'किसी अन्य गठबंधन ने दावा पेश नहीं किया है और कमी महज सात से आठ सीटों की है। राज्यपाल हमेशा यह शर्त रखते हैं कि दस से बारह दिनों में सदन के पटल पर बहुमत साबित किया जाए। ऐसे में समस्या कहां है।

इस तरह संवैधानिक मानदंडों और परंपराओं का क्षरण बेहद निंदनीय है और इसे खेद के साथ कहना पड़ रहा है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम बहुत पहले उठाया जाना चाहिए था। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से ऐसी देरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती है और जनता के जनादेश का सम्मान करने में बाधा उत्पन्न करती है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय ने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को कांग्रेस ने समर्थन देने का ऐलान किया है।

कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडनकर ने कहा कि यह फैसला जनादेश का सम्मान करने के लिए लिया गया है। हालांकि टीवीके चीफ विजय ने अभी तक बहुमत के लिए आवश्यक 118 विधायकों के समर्थन का पत्र जमा नहीं किया है। उन्होंने मौखिक रूप से कहा है कि उनके पास बहुमत के लिए जरूरी संख्या मौजूद है। जानकारी के मुताबिक टीवीके ने राज्यपाल को 107+5 यानी 112 विधायकों के हस्ताक्षर वाला पत्र सौंपा। इस पर राज्यपाल ने कहा कि 118 हस्ताक्षरों के साथ वापस आएं। टीवीके ने इसके लिए कुछ समय मांगा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जननी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जननी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया है। जननी (गर्भावस्था पूर्व, प्रसव और नवजात शिशु की एकीकृत देखभाल की यात्रा) एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड की निगरानी और प्रबंधन के लिए तैयार किया गया है।

यह पुराने आरसीएच पोर्टल का उन्नत संस्करण है, जो गर्भावस्था से लेकर नवजात शिशु देखभाल और परिवार नियोजन तक की सभी सेवाओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगा। इस प्लेटफ़ॉर्म के जरिए गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच, प्रसव तैयारी, टीकाकरण और नवजात शिशु की देखभाल की निगरानी आसान होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी कि जननी एप में क्यूआर कोड आधारित डिजिटल माता और बच्चे के स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा दी गई है, जिससे स्वास्थ्य रिकॉर्ड कहीं भी आसानी से उपलब्ध रहेंगे। प्लेटफ़ॉर्म में हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी के लिए ऑटोमैटिक अलर्ट, रियल-टाइम डैशबोर्ड और ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं। इसे यू-विन और पोशन जैसे राष्ट्रीय प्लेटफ़ॉर्मों से भी जोड़ा गया है, ताकि विभिन्न योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय हो सके। जननी के तहत लाभार्थियों का पंजीकरण आभा, आधार और मोबाइल नंबर के माध्यम से किया जा सकेगा।

साथ ही, प्रवासी आबादी को ध्यान में रखते हुए इसमें पैन-इंडिया सर्च और रिकॉर्ड पोर्टेबिलिटी की सुविधा भी दी गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक इस प्लेटफ़ॉर्म पर 1.34 करोड़ से अधिक लाभार्थियों का पंजीकरण हो चुका है। वहीं, 30 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं का रजिस्ट्रेशन, 30 लाख से ज्यादा एमसीएच कार्ड जारी और 1 लाख से अधिक बायोमेट्रिक सत्यापन किए जा चुके हैं। सरकार का कहना है कि जननी प्लेटफ़ॉर्म मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम योगी ने किया जनगणना 2027 के प्रथम चरण का शुभारंभ

जनगणना केवल हेड काउंट नहीं, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' की भावना के साथ मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है। आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना यह सुनिश्चित करने का माध्यम है कि विकास की धारा में समाज का अंतिम व्यक्ति भी समान रूप से सहभागी बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना कराई जा रही है।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य संपादित होंगे। आमजन को 07 मई से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। इसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके उपरांत फील्ड कार्य के अंतर्गत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में रियल टाइम डेटा अत्यंत आवश्यक है।

डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या लगभग 25 करोड़ 70 लाख है। जनगणना कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों, 350 तहसीलों, 17 नगर निगमों, 745 अन्य नगरीय निकायों, 21 छावनी परिषदों, 57 हजार 694 ग्राम पंचायतों तथा लगभग एक लाख चार हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस व्यापक कार्य के सफल संचालन के लिए लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को दोनों चरणों के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति केवल एक ही स्थान पर अपनी गणना कराए तथा सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराए, ताकि विकास योजनाओं की सटीक एवं प्रभावी रूपरेखा तैयार की जा सके। मुख्यमंत्री ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को शुभकामनाएं भी दीं।

सीएम योगी ने 481 चयनित अभ्यर्थियों को दिये नियुक्ति पत्र

- मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत हुई भर्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के विभाग के नव चयनित 481 कार्मिकों को नियुक्ति पत्र दिए।

उप्र लोक सेवा आयोग तथा उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयुष विभाग के लिए चयनित 202 प्रोफेसर/ रीडर/ चिकित्साधिकारी/ स्टॉफ नर्स एवं उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से व्यावसायिक शिक्षा विभाग के लिए चयनित 272 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। वहीं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के लिए चयनित 07 नर्स/हास्टल वार्डन/कंपाउंडर को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आपने देखा होगा कि भर्ती की पूरी प्रक्रिया में किसी सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ी होगी। आयुष में वेरिफिकेशन में थोड़ा समय जरूर लगा है। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की कोई गुंजाइश हीं थी। नीति और नियत साफ हो तो परिणाम बेहतर होता है। आज उसी परिणाम के तहत यह नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। मुझे प्रसन्नता है कि पिछले नौ वर्षों में हमारी सरकार ने नियुक्ति पत्र वितरण करने में कीर्तिमान स्थापित किया है। पहले कोई सोच नहीं सकता था कि यूपी में इतनी सहजता और सरलता से नियुक्ति पत्र दिया जा सकेगा। पिछले 15 दिन के अंदर यह हमारा चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। सरकार की भी कुछ अपेक्षाएं होती है। जब योग्य एवं प्रतिभाशाली युवा शामिल होते हैं तो उस व्यवस्था मे गति आती है। गति जितनी अच्छी होगी प्रगति उतनी तीव्र दिखाई देगी। पहले पैसा लेकर भर्ती की जाती थी। जाति, मत, मजहब, क्षेत्र देखकर भर्तियां होती थीं। नौजवान पलायन करता था। यूपी की प्रगति बाधित होती थी। उप्र बीमारू राज्य के रूप में खड़ा हो गया था। यहां के हर नागरिक की पहचान का संकट था।

देश दुनिया में कहीं भी जाइए, लोग पहचानना नहीं चाहते थे। आज मुझे प्रसन्नता है, देश दुनिया में कहीं चले जाइए, यूपी का नाम आते ही सामने वाले का चेहरा चमकता दिखाई देता है। अर्थव्यवस्था, यूपी का बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गयी है। अब हमें कोई बीमारू राज्य नहीं कहता। यूपी देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बना हुआ है। यपी के अंदर हर क्षेत्र में प्रगति दिखाई दे रही है। इस मौके पर कौशल विकास विभाग के मंत्री कपिल देव अग्रवाल, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

उपचुनावः 11 वोट से भाजपा प्रत्याशी नितिन की जीत

मीरजापुर। नगर के बुन्देलखण्डी वार्ड नं. 36 के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी नितिन केशरवानी ने बेहद रोमांचक मुकाबले में 11 मतों से जीत दर्ज की। कांटे की टक्कर वाले इस चुनाव में नितिन को कुल 709 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी रवि टण्डन को 698 मत प्राप्त हुए।

समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नागेंद्र तिवारी 636 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीं दाऊ दयाल को 216 मत मिले और 5 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। गुरूवार को मतगणना के दौरान आखिरी दौर तक मुकाबला बेहद दिलचस्प बना रहा। महज 11 वोटों के अंतर से मिली जीत ने चुनाव को चर्चा का विषय बना दिया। जीत के बाद नितिन केशरवानी ने वार्ड की जनता का आभार जताते हुए कहा कि यह जनता के विश्वास और भाजपा की नीतियों की जीत है। उन्होंने बताया कि उनके पिता वार्ड नं. 36 के सभासद थे और उनके निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई थी। पार्टी ने उन पर भरोसा जताया और जनता ने समर्थन देकर उन्हें विजयी बनाया।

कानपुर में मजदूरों से भरी बस नहर में गिरी सभी 20 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को मजदूरों से भरी एक निजी बस बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। घटना के बाद चारों तरफ चीख-पुकार मच गई. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बस में सवार 20 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला लिया गया। साथ कुछ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि मौके से बस चालक फरार है।

सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर कृष्णकांत यादव ने बताया कि यह बस घाटमपुर के कुढ़नी से रनिया स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों को लेकर जा रही थी। तभी नहर के पास पहुंचने पर अचानक बस अनियंत्रित हो गई और वह नहर में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस चालक मौके से भाग निकला। जबकि बस में सवार अन्य 20 मजदूर डूबने लगे। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना करते हुए खुद ही रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गए और बारी-बारी से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

हालांकि इस घटना में कुछ मजदूर घायल हो गए हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम के साथ-साथ फायर वाहन को भी मौके पर बुलाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) दीपक शर्मा के देख-रेख में क्रेन की मदद से बस को बाहर निकाला गया। आगे उन्होंने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जायेगी।

अश्लील वीडियो वायरल कर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाला आरोपित गिरफ्तार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में हलिया थाना क्षेत्र में युवती का अश्लील वीडियो वायरल कर धर्म परिवर्तन और शादी का दबाव बनाने के आरोपित को पुलिस ने गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में एसआई श्याम लाल व पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर अहुगी कला अदवा बांध के किनारे, अहुगी कला तिराहा से गुर्गी मार्ग पर करीब 200 मीटर आगे से गौरवा गांव निवासी आरोपित बल्लू को गिरफ्तार किया। पीड़िता के भाई ने बुधवार को आरोपित के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर अश्लील वीडियो वायरल करने तथा युवती पर धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाने का मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को दबोच लिया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

खेत में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई में कालपी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक खेत में आम के पेड़ से फांसी के फंदे से 20 वर्षीय युवक का शव गुरुवार को लटकता मिला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान राकेश कुशवाहा (20) निवासी ग्राम शाहजहांपुर के रूप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों से पूछताछ की। जानकारी मिली है कि मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। लता चला है कि मृतक बुधवार की देर रात घर से खेत की ओर गया था। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान आज सुबह खेत में आम के पेड़ पर रस्सी के फंदे से उसका शव लटका मिला। बताया जा रहा है कि मृतक राकेश इन दिनों मानसिक रूप से परेशान रहे रहा था। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटना की जांच पड़ताल की जा रही है।

सांसद रवि किशन ने पश्चिम बंगाल में हिंसा के लिये तृणमूल कांग्रेस को बताया जिम्मेदार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में गुरुवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनावी माहौल और हिंसा को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। सांसद रवि किशन ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है और ममता बनर्जी को नकार दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को यह भ्रम हो गया था कि उन्हें कोई हरा नहीं सकता, लेकिन जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव का फैसला किया। रवि किशन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रही है और इसी वजह से पश्चिम बंगाल में हिंसा और हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने 'लूट, माफिया और गुंडों' के सहारे राजनीति की है और अब उसका असली चेहरा जनता के सामने आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी पर हमला किया गया और राज्य में लगातार हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। रवि किशन ने मीडिया के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि अब समय बदल चुका है और जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि 'गुंडई और बदमाशी' बंद करनी चाहिए, क्योंकि कानून अपना काम करेगा। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार बनने के बाद हिंसा फैलाने वाले लोगों को पुलिस खोज-खोज कर कानून के कटघरे में खड़ा करेगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब अपराधियों के बच निकलने के रास्ते बंद हो जाएंगे। अंत में रवि किशन ने तृणमूल कांग्रेस से पश्चिम बंगाल में हिंसा और हत्याओं का दौर बंद करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और सभी दलों को उसका सम्मान करना चाहिए।

झांसी बुविवि में विधि विभाग के अभ्यर्थियों को सुरक्षाकर्मियों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में गुरुवार को लॉ के छात्र-छात्राओं और सिक्योरिटी गार्ड्स के बीच विवाद के बाद जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि सिक्योरिटी गार्ड्स ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, लात-घूंसे बरसाए और अभद्रता की। घटना में कई छात्र घायल हो गए। इसके विरोध में लॉ स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी शुरू कर दी।

विश्वविद्यालय के नए परीक्षा भवन में लॉ के छठे सेमेस्टर के छात्रों का लेबर लॉ विषय का पेपर था। परीक्षा समाप्त होने के बाद कुछ छात्र अपने मोबाइल फोन लेने के लिए परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े थे। छात्रों का कहना है कि तीन-तीन छात्रों ने एक बैग में मोबाइल जमा किए थे और टोकन उनके साथी के पास था, इसलिए वे बाहर इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान सिक्योरिटी गार्ड्स वहां पहुंचे और छात्रों को हटाने लगे। छात्रों ने जब पूरी बात समझाने की कोशिश की तो गार्ड कथित तौर पर अभद्रता करने लगे।

विवाद बढ़ने पर कई गार्ड एकत्र हो गए और छात्रों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि छात्रों को दौड़ा दौड़ाकर पीटा गया और धक्का-मुक्की भी की गई। घटना के वीडियो भी छात्रों ने बनाए, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। छात्रा बुशरा शेख और अनुष्का ने आरोप लगाया कि गार्ड्स ने उनकी बात सुनने के बजाए बदसलूकी की और छात्रों पर हमला कर दिया। वहीं छात्र मानव श्रीवास ने बताया कि वह अपने दोस्त का इंतजार कर रहे थे, जिसके पास मोबाइल का टोकन था। इसी बात को लेकर गार्ड्स से बहस हुई और बाद में उनके साथी रोहित पाठक को थप्पड़ मार दिया गया। इसके बाद कई गार्डों ने मिलकर उनकी पिटाई कर दी। घटना के बाद बड़ी संख्या में लॉ स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर पहुंच गए और धरना शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस और केंद्राधीक्षक डॉ. संतोष पांडेय मौके पर पहुंचे, लेकिन छात्र कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। छात्रों ने कुलपति को मौके पर बुलाने, दोषी गार्ड्स को तत्काल निलंबित करने और परीक्षा के दौरान पुलिस तैनात करने की मांग रखी।

मामला बढ़ने की सूचना मिलते ही कुलसचिव ज्ञानेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। छात्रों ने उन्हें मारपीट के वीडियो दिखाए, जिसके बाद उन्होंने सिक्योरिटी इंचार्ज को फटकार लगाते हुए जांच के आदेश दिए। रजिस्ट्रार ने कहा कि दोषियों के खिलाफ दो से तीन दिन में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के आश्वासन के बाद छात्रों का गुस्सा शांत हुआ।

'संगम' नाम से शराब ब्रांड लॉन्च होने पर विवाद

संत समाज ने कार्रवाई की मांग

बरेली। प्रयागराज में त्रिवेणी संगम के नाम पर उत्तर प्रदेश की एक डिस्टलरी कंपनी द्वारा शराब का ब्रांड लॉन्च किए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है। संत समाज और धर्मगुरुओं ने इसे सनातन आस्था का अपमान बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई है।

इस मामले में सरकार से तत्काल हस्तक्षेप और संबंधित कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई है। धर्मगुरु पंडित सुशील पाठक ने कहा कि 'संगम' सनातन धर्म का अत्यंत पवित्र तीर्थ स्थल है, जहां करोड़ों श्रद्धालु श्रद्धा और आस्था के साथ स्नान करने आते हैं। ऐसे पावन नाम का इस्तेमाल शराब जैसे उत्पाद के लिए किया जाना हिंदू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सनातन धर्म को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश है। पंडित पाठक ने कहा कि जिस डिस्टलरी कंपनी ने इस नाम से शराब ब्रांड लॉन्च किया है, उसके मालिक के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल इस ब्रांड नाम पर रोक लगाए और जिम्मेदार लोगों को जेल भेजे। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर संत समाज में भारी आक्रोश है। संगम पीठाधीश्वर शांडिल्य महाराज ने भी इस मामले में विरोध दर्ज कराया है, जिसका संत समाज समर्थन कर रहा है। पंडित सुशील पाठक ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो साधु-संत सड़क पर उतरकर आंदोलन और अनशन करेंगे।

उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े प्रतीकों और पवित्र स्थलों के नाम का व्यावसायिक दुरुपयोग किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। मामले को लेकर प्रयागराज समेत विभिन्न धार्मिक संगठनों में चर्चा तेज हो गई है। वहीं, अभी तक संबंधित डिस्टलरी कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

तीरंदाजी विश्व कप : महिला टीम ने कोरिया को हराकर पदक किया पक्का

शंघाई। भारत के लिए तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में गुरुवार का दिन मिला-जुला रहा। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर देश के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया, जबकि पुरुष टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही दौर में निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और युवा खिलाड़ी कुमकुम मोहोड की भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल में नई कोरियाई टीम को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब भारत का सामना रविवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन से होगा।

वहीं पुरुष रिकर्व टीम के लिए दिन बेहद खराब रहा। अनुभवी तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और यशदीप भोगे की तिकड़ी बांग्लादेश के खिलाफ एक भी सेट जीतने में नाकाम रही और 2-6 से हारकर बाहर हो गई। हालांकि भारतीय महिला टीम ने पूरे दिन शानदार संयम दिखाया और लगातार तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। टीम ने छह तीरों में चार बार 10 अंक हासिल किए और सिर्फ दो अंक गंवाते हुए पहला सेट 58 अंकों के साथ अपने नाम किया। कोरियाई टीम दबाव में नजर आई और एक 8 लगाने के कारण सिर्फ 55 अंक बना सकी। दूसरे सेट में भारत ने एक 8 लगाया, लेकिन फिर भी मुकाबला 56-56 से बराबरी पर समाप्त हुआ और भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। मैच जीतने के लिए सिर्फ दो अंकों की जरूरत होने पर भारतीय टीम ने तीसरे सेट में फिर 58 अंक बनाए, जबकि कोरिया दबाव में सिर्फ 56 अंक ही बना सका। इसके साथ ही भारत ने यादगार जीत दर्ज करते हुए सीधे सेटों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। हालांकि यह जीत अपेक्षाकृत अनुभवहीन कोरियाई टीम के खिलाफ आई, जिसे जापान में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के तहत उतारा गया था। कोरियाई टीम में ली यूनजी और ओह येजिन जैसे दो नए खिलाड़ी शामिल थे, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन कांग चेयॉन्ग ही टीम की अनुभवी तीरंदाज थीं। ओलंपिक चैंपियन आन सान, लिम सिह्योन और पिछले साल की शंघाई स्वर्ण पदक विजेता ली गाह्यून टीम का हिस्सा नहीं थीं। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने शुरुआती दौर में धीमी शुरुआत से उबरते हुए उज्बेकिस्तान को 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया। क्वार्टरफाइनल में भारत को वियतनाम से कड़ी चुनौती मिली। शूट-ऑफ तक पहुंचे मुकाबले में भारतीय टीम ने 5-4 (28-25) से जीत दर्ज की। भारत ने पहला सेट तीन बार 8 लगाने के कारण 53 अंकों के साथ गंवा दिया था, जिससे वियतनाम को एक अंक की बढ़त मिल गई। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया, क्योंकि वियतनाम ने दो बार 8 और एक बार 6 लगाया। तीसरे सेट में भारत ने सिर्फ दो अंक गंवाकर 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि चौथा सेट 55-56 से हारने के बाद मुकाबला शूट-ऑफ में पहुंच गया। दबाव के क्षणों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन तीरों में सिर्फ दो अंक गंवाए और शूट-ऑफ 28-25 से जीत लिया। दूसरी ओर भारतीय पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सकी और चारों सेटों में एक भी सेट नहीं जीत पाई। पहले सेट में भारत ने तीन बार 8 लगाए और सिर्फ 52 अंक बना सका, जबकि बांग्लादेश ने 55 अंक बनाकर 2-0 की बढ़त ले ली। दूसरे सेट में भी भारतीय टीम दबाव में रही और एक 7 लगाने के कारण 54 अंक ही बना सकी। बांग्लादेश ने भी साधारण प्रदर्शन किया, लेकिन 54-54 की बराबरी के साथ अपनी बढ़त 3-1 कर ली। तीसरे सेट में दोनों टीमों ने 53-53 अंक बनाए। चौथे और अंतिम सेट में बांग्लादेश के अब्दुर रहमान अलीफ, राम कृष्ण साहा और मोहम्मद मिशाद प्रधान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन अंक गंवाए और भारत को 57-53 से हराकर मुकाबला जीत लिया। अब मिश्रित टीम वर्ग के मुकाबले दोपहर सत्र में खेले जाएंगे।

स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले बोले, मजबूत होकर वापसी करेगी पंजाब किंग्स

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ हार के बावजूद अंक तालिका में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है। टीम फिलहाल 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। हालांकि, हैदराबाद ने इस मुकाबले में 33 रन से जीत दर्ज की, लेकिन पंजाब के लिए युवा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनॉली का प्रदर्शन बड़ी सकारात्मक खबर बनकर सामने आया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 236 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही, लेकिन कूपर कॉनॉली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 गेंदों में 107 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और आठ छक्के लगाए। इस शतक के साथ वह आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए। उन्होंने क्विंटन डिकॉक का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। कॉनॉली ने यह उपलब्धि महज 22 वर्ष की उम्र में हासिल की। कॉनॉली की पारी पर स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "वह बेहद सकारात्मक खिसाईराज बहुतुलेलाड़ी हैं और उनमें शानदार क्षमता है। उनका स्वभाव शांत है और वह पूरी तरह टीम के खिलाड़ी हैं। इतनी कम उम्र में भारत के अलग-अलग मैदानों और पिचों के अनुसार खुद को इतनी जल्दी ढाल लेना शानदार बात है। जब मुकाबला हाथ से निकलता दिख रहा था, तब भी उन्होंने टीम की उम्मीद बनाए रखी और मैच को करीब ले जाने की कोशिश की।" हार के बावजूद बहुतुले ने टीम के माहौल और एकजुटता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने ड्रेसिंग रूम में भरोसे और समर्थन की मजबूत संस्कृति बनाई है। उन्होंने कहा, "रिकी ने टीम में जो माहौल बनाया है, उसमें हम एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और हर खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं। उतार-चढ़ाव इस

टूर्नामेंट का हिस्सा हैं, लेकिन हम चुनौती स्वीकार करेंगे और और मजबूत होकर वापसी करेंगे। हम जानते हैं कि हमें किस तरह का क्रिकेट खेलना है। हमारी कोशिश हर मैच पर फोकस रखने और शांत मानसिकता बनाए रखने की है।" अब पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैदान धर्मशाला लौट रही है, जहां उसे तीन अहम मुकाबले खेलने हैं। टीम को उम्मीद है कि घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर वह जीत की राह पर लौटेगी। बहुतुले ने कहा, "धर्मशाला शानदार मैदान है और हम घरेलू परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। हमारा पहला चरण बेहतरीन रहा है। फिलहाल थोड़ी मुश्किल जरूर आई है, लेकिन हम फिर उठ खड़े होंगे। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, हम और बेहतर और मजबूत होते जाएंगे।" पंजाब किंग्स अब अगले सप्ताह एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेलेगी, जहां टीम प्लेऑफ में अपनी जगह और मजबूत करने के इरादे से उतरेगी।

हॉकी इंडिया ने की ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा

केतन कुशवाहा और स्वीटी कुजूर संभालेंगे कप्तानी

भोपाल। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज़ के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। यह सीरीज़ 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी। चार मैचों की यह सीरीज़ 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान 42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फॉरवर्ड खिलाड़ी केतन कुशवाहा को सौंपी गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर संभालेंगी। पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, "शिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मुकाबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी हैं। केतन मैदान पर स्वाभाविक नेता हैं और मैं देखना चाहता हूं कि यह टीम ऑस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है।" महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। टीम चयन पर रानी ने कहा, "हमने टीम को घटाकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्होंने शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया। स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है। भोपाल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का स्पष्ट आकलन मिलेगा। एशिया कप से पहले यह सीरीज़ टीम के लिए अंतिम बड़ी तैयारी है।"

इस प्रकार हैं टीम

भारतीय अंडर-18 पुरुष टीमः गोलकीपरः सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बाड़ा
डिफेंडरः अंश बहुत्रा, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपकप्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक
मिडफील्डरः प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, वरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी
फॉरवर्डः आकाश दीप, केतन कुशवाहा (कप्तान), शाहरुख अली, गाज़ी खान, प्रहलाद राजभर, सिद्धार्थ बेन, जैसन कंदुलना
भारतीय अंडर-18 महिला टीमः गोलकीपरः महक परिहार, हैरी, खिली कुमारी
डिफेंडरः सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रूबीना बक्सला, किरण एक्का, दिव्या यादव, सुलोचनी
मिडफील्डरः श्रुति कुमारी, दिया, हर्षिता, रश्मीन कौर, लामिंगनबी अकोइजाम, नैन्सी सरोहा, टोंगब्रैम लांचेनबी देवी, स्नेहा दावड़े
फॉरवर्डः नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नम्मी गीताश्री, प्रिंसेस प्रिया एक्का, पुष्पा मांझी

दिल्ली के बल्लेबाजों के सामने वरूण और नारायण की चुनौती

नई दिल्ली। पेचीदा पिचों पर चकमा खाने वाली या अच्छी पिचों पर बड़ा स्कोर नहीं बचा पाने वाली दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शुक्रवार को आईपीएल के 'करो या मरो' के मुकाबले में घरेलू मैदान पर भी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

दस मैचों में आठ अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज दिल्ली को अब प्लेआफ में जगह बनाने के लिये 16 अंक तक पहुंचने के लिये बाकी चारों मैच जीतने होंगे। वहीं आठवें स्थान पर खड़ी केकेआर को भी बाकी पांचों मैच जीतने होंगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स का यह मैच किस तरह की पिच पर खेला जायेगा। समझा जाता है कि वरूण चक्रवर्ती और सुनील नारायण की फिरकी का सामना करने के लिये दिल्ली बल्लेबाजों की मददगार पिच नंबर छह पर खेल सकती है जिस पर उसने पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाये थे लेकिन जीत फिर भी नहीं मिली थी। इस पिच को चुनने की वजह बल्लेबाजों पर भरोसे की कमी है जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ सीम लेती पिच पर छह विकेट नौ रन पर गंवा बैठे थे।

धीमी विकेट पर दिल्ली के बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के राशिद खान या चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद और अकील हुसैन को नहीं खेल पाये थे। सुनील (इकॉनॉमी रेट 6 . 80) और वरूण (इकॉनॉमी रेट 8 . 88) के सामने पाथुम निसांका, समीर रिजवी या करूण नायर को मुश्किलें पेश आ सकती है। दिल्ली के लिये कुलदीप यादव का खराब फॉर्म भी चिंता का सबब है जो दस मैचों में दस से ऊपर की इकॉनॉमी रेट से सात ही विकेट ले सके हैं। ऐसे में बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर खेलने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता। इससे खराब फॉर्म से जूझ रहे मेजबान बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने का मौका मिलेगा। बाद में मिचेल स्टार्क और लुंगी एंगिडि से गेंदबाजी में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। दूसरी ओर केकेआर का शीर्षक्रम भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका है। कप्तान अजिंक्य रहाणे (131 . 42 की स्ट्राइक रेट से 205 रन) और अंगकृष रघुवंशी (137 . 43 की स्ट्राइक रेट से 268 रन) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। रिंकू सिंह (145 . 39 की स्ट्राइक रेट से 245 रन) पर ही बल्लेबाजी का दारोमदार रहा है। दिल्ली के लिये केएल राहुल ने आईपीएल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 180 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 445 रन बनाये हैं लेकिन दूसरी ओर अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। निसांका पर टीम प्रबंधन का लगातार भरोसा समझ से परे है जो नौ मैचों में 228 रन ही बना सके हैं।

करूण नायर और नीतिश राणा फॉर्म में नहीं हैं। गेंदबाजी में मुकेश कुमार, टी नटराजन और अकीब नबी दर महंगे साबित हुए हैं। दिल्ली का कोई भी गेंदबाज दोहरे अंक में विकेट नहीं ले सका और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कप्तान अक्षर पटेल ने की है जिन्होंने 8 . 25 की इकॉनॉमी रेट से नौ विकेट चटकाये हैं।

इस प्रकार हैं टीम

दिल्ली कैपिटल्सः अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।
कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजाराबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी। सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।
मैच शाम 7 . 30 से शुरू होगा।

देश में 2026-27 में 5-5.5 प्रतिशत तक बढ़ सकती है बिजली मांग : इक्रा

नई दिल्ली। औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के निरंतर बढ़ने से 2026-27 में बिजली की मांग 5.0-5.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। 2025-26 में यह वृद्धि केवल एक प्रतिशत रही थी। साख निर्धारण करने वाली एजेंसी इक्रा ने यह बात कही। इक्रा ने बयान में कहा कि संभावित 'एल नीनो' के बीच सामान्य से कम वर्षा के आसार से वित्त वर्ष 2026-27 में कृषि एवं घरेलू क्षेत्रों से भी मांग को समर्थन मिलने की संभावना है। साथ ही उद्योगों तथा इलेक्ट्रिक वाहनों एवं डाटा सेंटर जैसे उभरते स्रोतों से भी मांग बढ़ेगी। देश में तापीय बिजली संयंत्रों का 'प्लांट लोड फैक्टर' (पीएलएफ या क्षमता उपयोग) 2025-26 में मांग में कमी के कारण घटकर 65-66 प्रतिशत रह गया। यह 2026-27 में करीब 65 प्रतिशत पर आ सकता है। नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादन में अच्छी वृद्धि और तापीय क्षेत्र में छह गीगावाट क्षमता वृद्धि की संभावना इसकी मुख्य वजह रहेगी। इक्रा के

उपाध्यक्ष एवं सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) अंकित जैन ने कहा कि भारत में तापीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश पर फिर से जोर दिया जा रहा है जबकि नवीकरणीय क्षमता तेजी से बढ़ती जा रही है। उन्होंने साथ ही बताया कि आठ अप्रैल 2026 तक घरेलू बिजली संयंत्रों के वास्ते कोयला भंडार लगभग 19 दिन के लिए पर्याप्त था। समूचे भारत में वितरण कंपनियों के बही-खाता घाटे में 2024-25 में 2023-24 की तुलना में सुधार हुआ। मार्च 2025 तक राज्य-स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियों का सकल ऋण घटकर 7.1 लाख करोड़ रुपये रह गया जो मार्च 2024 में 7.4 लाख करोड़ रुपये था। वर्तमान राजस्व और लाभप्रदता को देखते हुए हालांकि इतना उच्च ऋण स्तर कंपनियों के लिए टिकाऊ नहीं है। अप्रैल 2026 तक 28 में से 17 राज्यों में 2026-27 के लिए शुल्क आदेश जारी किए जा चुके हैं। बिजली वितरण कंपनियों के घाटे में काम करने के बावजूद अधिकतर राज्यों में 2026-27 के लिए स्वीकृत शुल्क वृद्धि सीमित रही है। इक्रा का अनुमान है कि सीमित शुल्क वृद्धि और अपेक्षाकृत अधिक शुल्क वाली क्षमताओं के जुड़ने से बिजली खरीद लागत बढ़ने की स्थिति में 2026-27 में प्रति इकाई नकद अंतर 30-33 पैसे के उच्च स्तर पर बना रह सकता है। इक्रा ने कहा कि सीमित शुल्क वृद्धि और लगातार घाटे के कारण बिजली वितरण क्षेत्र के लिए उसका दृष्टिकोण नकारात्मक बना हुआ है।

प्रोंटो ने लैची ग्रूम के नेतृत्व में दो करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। घरेलू सेवाएं उपलब्ध कराने वाले मंच प्रोंटो ने अपनी सेवाओं के विस्तार के लिए दो करोड़ डॉलर का निवेश जुटाया है। वित्त पोषण का नेतृत्व एआई रोबोटिक्स कंपनी फिजिकल इंटेलिजेंस के सह-संस्थापक एवं क्विक-कॉमर्स फर्म जेप्टो के शुरुआती निवेशक लैची ग्रूम ने किया। नवीनतम निवेश के साथ कंपनी ने अपना 'सीरीज-बी' वित्त पोषण चरण 4.5 करोड़ डॉलर पर बंद कर दिया है जिससे लगभग एक महीने में उसका मूल्यांकन दोगुना होकर 20 करोड़ डॉलर हो गया। इस निवेश के साथ प्रोंटो अब तक लगभग छह करोड़ डॉलर जुटा चुका है। ऑनलाइन मंच प्रोंटो शहरी परिवारों को सफाई, कपड़े धोने तथा भोजन बनाने जैसे दैनिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित एवं सत्यापित पेशेवरों से जोड़ता है।

अल्ट्राटेक सीमेंट के लिए 'पैकेजिंग बैग' की बढ़ती लागत बड़ी चुनौती: अतुल डागा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ईंधन और मालभाड़ा खर्च में बढ़ोतरी के साथ-साथ प्लास्टिक के 'पैकेजिंग बैग' की कीमतों में वृद्धि सीमेंट विनिर्माता अल्ट्राटेक के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। हालांकि तब भी आदित्य बिड़ला समूह की इस कंपनी ने 2026-27 में दो अंकों की मात्रा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी प्रबंधन ने हाल ही में आय का विवरण देते हुए जानकारी दी कि पश्चिम एशिया संघर्ष से जुड़ी अस्थिरता के कारण 'बैग' लागत बढ़ी है। वहीं मार्च में रुपये में गिरावट से विनिमय हानि का असर भी अतिरिक्त दबाव के रूप में सामने आया। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी अतुल डागा ने कहा, " पिछली तिमाही में इसका प्रभाव कम रहा क्योंकि सभी के पास ईंधन का भंडार था। इसलिए ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर तुरंत नहीं दिखा। हालांकि मार्च में 'बैग' लागत संकट बन गई और सभी प्रभावित हुए। लागत बहुत तेजी से बढ़ी और 'बैग' पर हमारी अतिरिक्त लागत लगभग 90 करोड़ रुपये रही जो तिमाही के अन्य खर्चों में नजर आती है।" पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से पॉलिमर और प्लास्टिक कच्चे माल की लागत 70 प्रतिशत तक बढ़ गई है। डागा ने एक प्रश्न के उत्तर में स्पष्ट किया कि 'पैकेजिंग' लागत बढ़ी है लेकिन 'बैग' की उपलब्धता आपूर्ति पक्ष की समस्या नहीं बनी है। उन्होंने कहा, " बैग की उपलब्धता संकट नहीं है। यह महंगा हो गया है.." कंपनी का मानना है कि उसकी विविध स्रोत रणनीति और ईंधन के लिए दीर्घकालिक अनुबंध इस प्रभाव को कम करने में मदद करेंगे। 'पैकेजिंग बैग' लागत पर डागा ने कहा कि कंपनी देशभर में करीब 150 आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम करती है। बड़े खरीद आकार के कारण उसकी सौदेबाजी क्षमता मजबूत होती है। डीजल कीमतों और मालभाड़ा लागत पर प्रबंधन सतर्क रहा और कहा कि इसका पूरा प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा, " डीजल के प्रभाव के बारे में अभी कोई नहीं जानता। हमें इंतजार करना होगा। यह अगले महीने सामने आ सकता है।" कंपनी की क्षमता 20 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक हो चुकी है। इसने जनवरी-मार्च तिमाही में कुछ कीमतों में वृद्धि भी की है। अल्ट्राटेक ने वित्त वर्ष 2027-28 तक 24 करोड़ टन प्रति वर्ष का लक्ष्य रखा है और आगे भी क्षमता विस्तार में निवेश जारी रखेगी।

पेटीएम ने एनबीएफसी लाइसेंस लेने की योजना से इनकार किया

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी प्रमुख वन97 कम्युनिकेशंस ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए आवेदन करने की योजना से इनकार किया है। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है।

कंपनी का चौथी तिमाही का आय संबंधी विवरण देते हुए पेटीएम के अध्यक्ष एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (समूह) मधुर देवड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा, " हम एनबीएफसी लाइसेंस लेने को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं।" उन्होंने कहा कि पेटीएम की प्राथमिकता " दोनों पक्षों के लिए लाभकारी" साझेदारी मॉडल की है जिसमें पेटीएम वितरण, प्रौद्योगिकी एवं वसूली का काम संभालता है जबकि उसके प्रतिष्ठित ऋण साझेदार पूंजी, जोखिम एवं चक्रीय उतार-चढ़ाव का प्रबंधन करते हैं। उन्होंने कहा, " हमारे पास भुगतान का बहुत बड़ा बाजार है। यह बाजार बढ़ रहा है और हमारी बाजार हिस्सेदारी भी बढ़ रही है। कम पैठ के साथ मिलकर यह स्थिति अल्प से मध्यम अवधि में बहुत बड़ा अवसर प्रदान करती है।" भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मानदंडों के अनुपालन में विफलता का हवाला देते हुए महीने पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ कार्रवाई की थी।

आरबीआई ने कहा था कि बैंक का संचालन उसके जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल तरीके से किया गया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह बैंक उसे जारी पेमेंट्स बैंक लाइसेंस की शर्तों का पालन करने में विफल रहा। वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के स्वामित्व वाले, भारत के अग्रणी भुगतान ऐप पेटीएम ने शुक्रवार को शेयर बाजार को भेजी सूचना में स्पष्ट किया था कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने दोहराया कि बैंकिंग इकाई के साथ उसका कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता या जोखिम नहीं है। कंपनी ने साथ ही स्पष्ट किया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है और उसकी अनुषंगी कंपनियों सहित सभी पेशकश सामान्य रूप से काम कर रही हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 183 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की इसी अवधि में उसे 545 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

इनक्रेड होल्डिंग्स ने अद्यतन आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए; 1,250 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) इनक्रेड होल्डिंग्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष अद्यतन मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार, निर्गम का आकार लगभग 3,000-4,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। न्होंने कहा कि कंपनी प्रस्तावित आईपीओ के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ रुपये का मूल्यांकन हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष बुधवार देर शाम दाखिल अद्यतन दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 1,250 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 9.9 करोड़ शेयर तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने कहा कि नए निर्गम से प्राप्त राशि मुख्य रूप से उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएफएसएल) में डाली जाएगी।

ऑरलैंडो ब्लूम संग स्क्रीन शेयर करेंगी
प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा के हाथ एक और बड़ा हॉलीवुड प्रोजेक्ट लग गया है। वह जल्द ही सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसेट' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ हॉलीवुड स्टार ऑरलैंडो ब्लूम मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस नई जोड़ी को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म का निर्देशन मैट स्मुक्लर करेंगे और इसकी शूटिंग अगस्त 2026 से शुरू होने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो खुद को एक सुनसान जंगल में फंसा हुआ पाती है। उसे यह तक याद नहीं रहता कि वह वहां कैसे पहुंची। अपनी जान बचाने के लिए उसे एक रहस्यमयी अजनबी पर भरोसा करना पड़ता है, जिसका किरदार ऑरलैंडो निभाएंगे। निर्देशक का कहना है कि प्रियंका और ऑरलैंडो की जोड़ी में आकर्षण और रहस्य दोनों का बेहतरीन संतुलन है, जो फिल्म की कहानी को और दमदार बनाएगा। फिल्म की खास बात यह भी है कि प्रियंका सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि निर्माण से भी जुड़ी हैं। उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'पर्पल पेबल पिक्चर्स' और ऑरलैंडो की कंपनी 'अमेजिंग आउल' इस प्रोजेक्ट का सह-निर्माण कर रही हैं। जॉन होएबर, एरिच होएबर, माइकल लाजारोविच और मैथ्यू रोड्स भी फिल्म के निर्माता हैं। हॉलीवुड में प्रियंका चोपड़ा का कद लगातार बढ़ता जा रहा है। उनकी हालिया परियोजनाओं को वैश्विक स्तर पर शानदार प्रतिक्रिया मिली है। वह जल्द ही अपनी चर्चित सीरीज 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन और एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में भी नजर आने वाली हैं।

'मटका किंग' के दूसरे सीजन के साथ लौटेंगे
विजय वर्मा

विजय वर्मा की हालिया वेब सीरीज 'मटका किंग' को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिलने के बाद अब इसके दूसरे सीजन का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि 'मटका किंग 2' पर काम शुरू हो चुका है और नया सीजन जल्द दर्शकों के सामने आएगा। 'मटका किंग' का निर्देशन नागराज पोपटराव मंजुले ने किया है।

1960 के दशक के बॉम्बे की पृष्ठभूमि पर बनी इस सीरीज में विजय वर्मा ने ब्रिज भट्टी का किरदार निभाया, जो कपास व्यापारी से सट्टा नेटवर्क का बड़ा नाम बन जाता है। अपने दमदार अभिनय और इंटेंस स्क्रीन प्रेजेंस से विजय ने दर्शकों का खूब दिल जीता। सीरीज में कृतिका कामरा, सिद्धार्थ जाधव, साई ताम्हणकर और गुलशन ग्रोवर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। पहले सीजन की सफलता के बाद अब दर्शकों को दूसरे सीजन से भी काफी उम्मीदें हैं।

बॉबी देओल की 'बंदर' का धमाकेदार टीज़र रिलीज

बॉबी देओल और अनुराग कश्यप की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बंदर' का टीजर रिलीज हो गया है। हाई-वोल्टेज ड्रामा और इंटेंस रिलेशनशिप कहानी पर आधारित इस फिल्म में बॉबी एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। टीजर में उनका 70 के दशक के डिस्को अवतार और रीमैजिन गाने 'कम ऑन बेबी दिल किसको देगी' पर डांस करते हुए लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म में बॉबी के साथ सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर की शुरुआत हल्के-फुल्के अंदाज से होती है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी एक रहस्यमयी और इंटेंस मोड़ लेती दिखाई देती है। मेकर्स का दावा है कि फिल्म दर्शकों को एक अलग सिनेमाई अनुभव देने वाली है। 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जो 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स के लिए जाने जाते हैं। फिल्म का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफरन मैजिकवर्क्स ने ज़ी स्टूडियोज के सहयोग से किया है। यह फिल्म 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'गवर्नर' का टीजर आया सामने

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म का निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी चिन्मय मंडलेकर ने संभाली है। टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया और यूट्यूब पर चर्चा का विषय बन गया है। टीजर में मनोज बाजपेयी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के गंभीर और प्रभावशाली किरदार में नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनका किरदार पूर्व आरबीआई गवर्नर एस. वेंकिटरमणन से प्रेरित है। फिल्म की कहानी 1991 के उस आर्थिक संकट पर आधारित है, जब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था और देश आर्थिक दिवालियापन के कगार पर पहुंच गया था। अदा शर्मा भी फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। मेकर्स के मुताबिक, 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' एक ऐसे गुमनाम नायक की कहानी है, जिसने अपने फैसलों और नेतृत्व से देश को बड़े आर्थिक संकट से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी क्षमताएं बढ़ाते रहेंगे: पाकिस्तानी सेना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह ''भविष्य की चुनौतियों से निपटने और हर प्रकार की आक्रामकता का निर्णायक जवाब देने के लिए अपनी क्षमताओं को लगातार बढ़ाती'' रहेगी। पाकिस्तान सेना ने 'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने के मौके पर इसे देश के सैन्य इतिहास का ''निर्णायक अध्याय'' बताया। पाकिस्तानी सेना ने पिछले साल भारत के साथ चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष को 'मारका-ए-हक' नाम दिया है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद भारत ने पिछले साल सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर हमले किए गए थे। इन हमलों में कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए थे। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया था और पाकिस्तान ने भारत की कार्रवाई के जवाब में हमले किए थे, हालांकि उनमें से ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था। दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के बीच 'हॉटलाइन' पर हुई बातचीत के बाद 10 मई को सैन्य संघर्ष को रोकने पर बनी सहमति के साथ संघर्ष विराम हुआ था। पाकिस्तानी सेना ने 'रावलपिंडी, 6/7 मई 2026 की मध्यरात्रि' की तिथि वाले एक बयान में कहा कि सशस्त्र बल बदलते भू-राजनीतिक एवं क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल के साथ-साथ शत्रु ताकतों की आक्रामक क्षमता बढ़ाने की कोशिशों से पूरी तरह वाकिफ हैं। बयान में कहा गया, ''सामरिक माहौल लगातार बदल रहा है लेकिन राष्ट्र की रक्षा के लिए पाकिस्तानी सशस्त्र बलों का संकल्प, सतर्कता और प्रतिबद्धता अटूट है।'' इसमें कहा गया, ''पाकिस्तान सशस्त्र बल भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी अहम क्षमताओं, उन्नत प्रौद्योगिकियों और पेशेवर उत्कृष्टता में निवेश करना जारी रखे हुए हैं। वे पहले से कहीं अधिक केंद्रित हैं, भविष्य के युद्धक्षेत्र के लिए तैयार हैं और देश पर थोपी गई किसी भी आक्रामकता का निर्णायक जवाब देने के लिए तत्पर हैं।'' सेना ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ हर शत्रुतापूर्ण मंसूबे का उससे कहीं अधिक ताकत, सटीकता और दृढ़ संकल्प के साथ जवाब दिया जाएगा जो पिछले साल चार दिन के संघर्ष के दौरान शत्रु ने देखा था। उसने पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक पड़ाव ''अत्याधुनिक प्रणालियों को समझदारी से शामिल करने और विशिष्ट एवं बड़े बदलाव लाने वाली प्रौद्योगिकियों के त्वरित संचालन के जरिए भविष्य के लिए तैयार वायु शक्ति बनने की पीएएफ की दृढ़ यात्रा को दर्शाता है...।'' बयान में कहा गया, ''बहु-क्षेत्रीय अभियानों के कुशल इस्तेमाल में महारत हासिल कर पाकिस्तान वायु सेना खुद को भविष्य केंद्रित और सक्षम वायु शक्ति के रूप में लगातार मजबूत कर रही है और आधुनिक हवाई युद्ध की बदलती प्रकृति और मानकों के बीच पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।'' इसमें कहा गया कि ''अभूतपूर्व दायरे वाले एवं हवाई युद्ध के इतिहास में इन नए अभियानों के सफल संचालन ने न केवल पाकिस्तान वायु सेना की पेशेवर उत्कृष्टता को रेखांकित किया बल्कि पाकिस्तानी राष्ट्र के गौरव, विश्वास और भावना को भी फिर से मजबूत किया।'' सेना ने कहा कि पाकिस्तान शांति प्रिय देश है और उसके सशस्त्र बल परिपक्व एवं जिम्मेदार रणनीतिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसने कहा कि पाकिस्तानी सशस्त्र बलों का हर प्रयास, तैयारी और पहल क्षेत्र में शांति बनाए रखने, स्थिरता को बढ़ावा देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

हैंतावायरस के प्रकोप से प्रभावित जहाज से 3 लोगों को निकाला गया

पोत कैनरी द्वीप समूह की ओर रवाना

केप वर्डे। घातक वायरस के प्रकोप की चपेट में आए एक जहाज से हंतावायरस से संक्रमित दो लोगों और एक अन्य संदिग्ध व्यक्ति को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब यह जहाज कम से कम 150 लोगों को लेकर केप वर्ड से स्पेन के कैनरी द्वीप समूह की ओर बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने यह जानकारी दी। जहाज के फुटेज में सुरक्षात्मक पोशाक पहने स्वास्थ्यकर्मी ब्रिटेन के चिकित्सक सहित तीन मरीजों को निकालते हुए दिखाई दिए। बुधवार शाम को दो मरीज एम्स्टर्डम हवाई अड्डे पर पहुंचे और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में ले जाया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, तीन लोगों की मौत हो गई है और एक शव जहाज पर ही है। संक्रमण के आठ संदिग्ध मामलों में से पांच में संक्रमण की पुष्टि हो गई है। हंतावायरस एक गंभीर और जानलेवा वायरस है, जो मुख्य रूप से चूहों से इंसानों में फैलता है। यह कोई नया वायरस नहीं है लेकिन इसके लक्षण और गंभीरता इसे खतरनाक बनाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार यह वायरस संक्रमित चूहों के पेशाब, लार या मल के संपर्क में आने से फैलता है। चूहों के मल-मूत्र के सूखने पर उसके कण हवा में मिल जाते हैं और सांस के जरिए इंसान के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। यह वायरस एक इंसान से दूसरे इंसान में पहुंच सकता है। हालांकि डब्ल्यूएचओ के शीर्ष महामारी विशेषज्ञ ने कहा है कि ऐसा बहुत कम होता है। यूरोप और अफ्रीका के स्वास्थ्य अधिकारी उन लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं जो उस जहाज से पूर्व में उतरे लोगों के संपर्क में आए होंगे। यह जहाज एक अप्रैल को दक्षिण अमेरिका से अंटार्कटिका और अटलांटिक महासागर के कई दूरस्थ द्वीपों के लिए रवाना हुआ था। इस बीमारी के फैलने के कारणों की जांच कर रहे अर्जेंटीना के दो अधिकारियों ने कहा कि सरकार का ऐसा मानना है कि नीदरलैंड के एक दंपति ने विमान में चढ़ने से पहले उशुआइया शहर में पक्षियों के करतब देखे थे और शायद तभी वह हवा में वायरस की चपेट में आ गए। नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को जहाज से निकाले गए तीन लोगों में नीदरलैंड का एक नागरिक (41), ब्रिटेन का एक नागरिक (56) और जर्मनी का एक नागरिक (65) शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि सेनेगल में किए गए परीक्षणों से पुष्टि हुई है कि जहाज से निकाले गए दो लोग हंतावायरस से संक्रमित थे। नीदरलैंड की जहाज संचालक कंपनी 'ओशनवाइड एक्सपेडिशन्स' ने कहा कि इनमें से दो की हालत ₹गंभीर₹ है, वहीं तीसरे व्यक्ति में कोई लक्षण नहीं है लेकिन वह उस जर्मन यात्री के ₹करीबी संपर्क में₹ था, जिसकी दो मई को एमवी होंडियस जहाज पर मौत हो गई थी।

बांग्लादेश ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए चीन से समर्थन मांगा

बीजिंग। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने तीस्ता नदी पुनर्स्थापन परियोजना के लिए औपचारिक रूप से चीन से समर्थन मांगा है। यह कदम भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर असर डाल सकता है। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संगबाद संस्था' (बीएसएस) के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान और चीन के उनके समकक्ष वांग यी के बीच बुधवार को बीजिंग में हुई बैठक में तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन एवं पुनर्स्थापन परियोजना (टीआरसीएमआरपी) से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह सिंचाई एवं लाखों लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है।

बीएसएस के अनुसार, वांग ने नई बांग्लादेश सरकार का समर्थन करते हुए कहा कि चीन उच्च गुणवत्ता वाली 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग परियोजना को बांग्लादेश की राष्ट्रीय विकास रणनीतियों के साथ जोड़ने और अर्थव्यवस्था, अवसंरचना एवं लोगों के बीच संपर्क जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार चीन की कंपनियों को बांग्लादेश में निवेश के लिए भी प्रोत्साहित करेगी। चीन के आधिकारिक बयान के अनुसार, वांग ने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश और अन्य दक्षिण एशियाई देशों के साथ चीन के संबंधों का विकास किसी तीसरे पक्ष को लक्ष्य नहीं बनाता और न ही किसी तीसरे पक्ष से प्रभावित होना चाहिए। तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के फरवरी में सत्ता संभालने के बाद यह रहमान की चीन की पहली यात्रा है। वह पांच मई को यहां पहुंचे और बृहस्पतिवार को यहां से रवाना होंगे। रहमान पिछले महीने भारत आए थे। भारतीय नेताओं के साथ उनकी वार्ता पर बीजिंग में करीबी नजर रखी गई, क्योंकि शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद मुहम्मद यूनुस के नीत अंतरिम प्रशासन के चीन और पाकिस्तान के करीब आने से ढाका और भारत के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। चीन कई वर्ष से टीआरसीएमआरपी के विकास में रुचि दिखाता रहा है, जो भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के पास स्थित है। यह इसकी मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। इस पृष्ठभूमि में भारत ने 2024 में तीस्ता बेसिन के लिए तकनीकी और संरक्षण सहायता की पेशकश की थी जो सीमा-पार नदी प्रबंधन पर ढाका के साथ सहयोग बढ़ाने के नयी दिल्ली के प्रयासों को दर्शाता है। जल बंटवारा द्विपक्षीय संबंधों में एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है और गंगा नदी के शुष्क मौसम में जल बंटवारे को नियंत्रित करने के लिए 1996 में 30 वर्ष के लिए हस्ताक्षरित भारत-बांग्लादेश गंगा जल संधि को यदि नवीनीकृत नहीं किया गया तो यह इस वर्ष समाप्त होने वाली है।

नेपाल की गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी, बीरगंज और काठमांडू में बनेंगे डेटा सेंटर

काठमांडू। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल क्लाउड के साथ साझेदारी में काठमांडू और बीरगंज में डेटा सेंटर स्थापित किए जाने वाले हैं। नेपाल के औद्योगिक घरानों के संयुक्त निवेश वाली कंपनी ब्लुचीन डेटा वोल्ट ने गूगल क्लाउड के साथ रणनीतिक साझेदारी कर इन डेटा सेंटरों के निर्माण की योजना बनाई है। गूगल क्लाउड कम्प्यूटिंग, डेटा स्टोरेज, डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग और प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराती है। गूगल सर्च और गूगल डॉक्स जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म भी इसी क्लाउड अवसंरचना पर आधारित हैं। ब्लुचीन का एक अन्य रणनीतिक साझेदार ताइवान की वीवीडीएन टेक्नोलॉजी है। अमेरिका, यूरोप और एशिया के प्रमुख आईटी हब में मजबूत उपस्थिति रखने वाली यह कंपनी ब्लुचीन के लिए उन्नत कम्प्यूटिंग प्रणाली, लिक्विड कूलिंग समाधान तथा सर्वर रैक से जुड़ी तकनीकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराएगी। काठमांडू में आगामी अगस्त से डेटा सेंटर संचालन में लाने की तैयारी चल रही है। इसी सिलसिले में गूगल और वीवीडीएन टेक्नोलोजी के प्रतिनिधि काठमांडू पहुंच चुके हैं। आज ब्लुचीन डेटा वोल्ट माइक्रोन और एएमडी जैसे अंतरराष्ट्रीय साझेदारों की उपस्थिति में इस परियोजना की औपचारिक घोषणा की जाएगी। नेपाल में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हाल के समय में निवेश बढ़ता दिखाई दे रहा है। बालेन्द्र शाह सरकार बनने के बाद आईटी उद्योग को प्राथमिकता दिए जाने का असर अब विदेशी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के निवेश में भी देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में फेसबुक की मातृ कंपनी मेटा नेपाल की इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी वर्ल्ड लिंक कम्युनिकेशन के साथ साझेदारी में डेटा सेंटर निर्माण की तैयारी कर रही है। इससे नेपाल में डिजिटल अवसंरचना, क्लाउड सेवा और डेटा सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नेपाल की संसद में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति डिजिटल प्रणाली से लगेगी

काठमांडू। नेपाल की संसद में अब जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए डिजिटल प्रणाली लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत सांसदों की उपस्थिति पारंपरिक हस्ताक्षर प्रणाली के बजाय डिजिटल माध्यम से दर्ज होगी। इसके लिए सांसदों के बॉयोमेट्रिक विवरण एकत्र किए जा रहे हैं। संसद सचिवालय ने सभी सांसदों को बॉयोमेट्रिक प्रक्रिया में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए सूचित किया है। इस प्रक्रिया के दौरान सांसदों के फिंगरप्रिंट, डिजिटल पहचान संबंधी जानकारी तथा अन्य आवश्यक विवरण लिया जा रहे है, ताकि संसद में उनकी उपस्थिति स्वतः इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से दर्ज की जा सके। सचिवालय के अनुसार, बॉयोमेट्रिक विवरण संकलन के साथ-साथ सांसदों की औपचारिक तस्वीर भी खींची जाएगी। इन तस्वीरों का उपयोग संसद के आधिकारिक अभिलेख, परिचयपत्र तथा डिजिटल प्रोफाइल में किया जाएगा। सांसदों से औपचारिक पोशाक पहनकर तथा संघीय संसद का लोगो लगाकर उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।